● सीधी, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 36, अंक 70, पृष्ठ : 08, सीधी, शनिवार, 13 अप्रैल 2024 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

बीएसपी को छिपे बहुरूपियों से सावधान रहना होगा : आकाश 5

आईपीएल में दिखा बुमराह का जलवा 6

भारत का संविधान हमारे लिए गीता, कुरान, बाइबल सब कुछ है : मोदी

पीएम मोदी बोले- अंबेडकर खुद आ जाएं तो भी संविधान खत्म नहीं कर सकते

बाड़मेर। पीएम नरेंद्र मोदी ने पानी की जरूरत पर बात करते हुए स्थानीय कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि यहां पानी, घी से भी ज्यादा कीमती है। मोदी बोले कि 70 साल से यहां पानी के लिए कुछ नहीं किया गया। हमने जल जीवन मिशन के जरिए यहां 50 लाख लोगों को पानी पहुंचाने का काम किया है। ईआरसीपी का जिक्र करते हुए कहा कि हमारी भजनलाल शर्मा सरकार ने 100 दिन के भीतर ईआरसीपी परियोजना को पास करवाया।

बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा में मोदी मोदी-सिद्धों और शूरवीरों की धरती, जिसके वीरों की कहानियां आज भी सीमा पार खौफ पैदा करती हैं, जिस रेगिस्तान की गरमी में अच्छों-अच्छों की हिम्मत हौसले तोड़ देती है, वहां आपकी हिम्मत के आगे यह गर्मी भी कुछ नहीं बिगाड़ पाती। यह भीड़ देखकर पता चलता है कि बाड़मेर की जनता बीजेपी को आर्शीवाद देने का मन बना चुकी है। यह चुनाव दल का नहीं देश का चुनाव है।

मोदी बोले हमारा संकल्प है कि हम राजस्थान के हर घर तक पानी पहुंचाएं। ये लोग सीमावर्ती गांवों को जानबूझ कर विकास से वंचित रखते थे। कहते थे कि सीमा के पास विकास होगा तो दुशमन देश के भीरत आकर कब्जा करने की संभावना बढ़ जाएगी। आप मुझे बताइए कि किस दुश्मन के कलेजे में इतनी हिम्मत है कि वह बाड़मेर पर कब्जा करने की सोचे...है हिम्मत किसी में। मोदी ने कहा कि हम सीमावर्ति गांवों को आखिरी गांव नहीं देश का प्रथम गांव मानते हैं। हमारे यहां देश यहां खत्म नहीं होता है, बल्कि यहां से शुरू होता है। बाड़मेर को पौने दो लाख गरीबों को पक्के आवास का लाभ मिला है। भाजपा सरकार देश की आखिरी

सीमा तक सड़कें और हाइवेज बना रही है।

बाड़मेर में मेडिकल कॉलेज भी खोला है। सीमावर्ती बाड़मेर में 72 हजार करोड़ रुपये लागत की रिफाइनरी शुरू होने जा रही है। अगर यहां कांग्रेस की सरकार नहीं होती तो मेरे दूसरे टर्म में ही मैं यहां आकर उद्घाटन कर जाता। लेकिन कांग्रेस ने ऐसी-ऐसी रुकावटें डालीं। लेकिन मेरे तीसरे टर्म में यहां उद्घाटन करने जरूर आऊंगा और तब आपको धन्यवाद भी दूंगा। गुजरात की जनता ने जब मुझे जिम्मेदारी सौंपी तो कच्छ की हालत भी ऐसी ही थी। आज पूरे हिंदुस्तान में सबसे तेज विकास करने वाले जिलों में कच्छ का जिला पहुंच गया है। मुंबई में जमीन की जो कीमत होती है, वह कच्छ की हो गई है। मैं यह करके आया हूं, इसलिए गारंटी देता हूं यह भी मैं करके रहूंगा। यहां के एयरपोर्ट में भी पिछली कांग्रेस सरकार ने जमकर रोडे अटकाए थे। नहीं तो यह दो साल पहले ही चालू हो गया होता। कांग्रेस ने जिन्हें दशकों तक नहीं पूछा, मोदी उन्हें पूजता है। एससी, एसटी और ओबीसी के साथ दशकों तक भेदभाव करने वाली कांग्रेस आज कल एक पुराना रिकॉर्ड बजा रही है। वह कांग्रेस जिसने बाबा साहब के जीते जी उन्हें चुनाव हरवाया, उन्हें भारत रत्न नहीं मिलने दिया और वह कांग्रेस जिसने आपातकाल लगाकर संविधान को खत्म करने की कोशिश की। वह कांग्रेस मोदी को गाली देने के लिए संविधान के नाम पर झूठ की आड़ ले रही है। यह मोदी है, जिसने देश में पहली बार संविधान दिवस मनाना शुरू किया था। कांग्रेस ने संविधान दिवस मनाने का विरोध किया था। पार्लियामेंट में इनके भाषण पड़े हैं। ये मोदी है, जिसने बाबा साहब से जुड़े पंच तीर्थों का विकास किया। इसलिए कांग्रेस और इंडी अलायंस के झूठों से सावधान रहने की जरूरत है। कांग्रेस वाले सुन लें ये 400 सीट की बात जनता इसलिए कर रही है कि पार्लियामेंट में उन्होंने मुझे 10 साल अच्छा काम करने से रोकने का काम किया है। बाबा साहब अंबेडकर खुद आ जाएं तो भी संविधान खत्म नहीं कर सकते। यह संविधान हमारे लिए गीता, कुरान, बाइबल सब कुछ है। ये इंडी अलायंस वाले कितनी नफरत से भरे हुए हैं, यह इनके घोषणा पत्र में नजर आता है। इंडी अलायंस में शामिल एक दल का कहना है कि हम भारत के परमाणु हथियार नष्ट कर देंगे।

भारत जैसे देश जिसके दोनों तरफ पड़ोसियों के पास परमाणु हथियार हो, क्या उस देश में परमाणु हथियार समाप्त करना चाहिए। यह करना चाहता है इंडी अलायंस। मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि आपकी इंडी अलायंस के साथी किसके इशारे पर काम कर रहे हैं। एक तरफ मोदी भारत को शक्तिशाली राष्ट्र बनाने में जुड़ा है, वहीं इंडी गठबंधन वाले भारत को कमजोर बनाने का काम कर रहे हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को दिया 65000 करोड़ का टेंडर

नई दिल्ली। रक्षा मामलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्रालय ने भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 65 हजार करोड़ का टेंडर जारी किया है। इसके तहत एचएएल से 97 एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स खरीदे जाएंगे। यह भारत सरकार द्वारा स्वदेशी मिलिट्री हार्डवेयर के लिए दिया गया सबसे बड़ा ऑर्डर हो सकता है।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को टेंडर पर जवाब देने के लिए तीन महीने का समय दिया है। अगर यह डील हो जाती है तो इससे वायुसेना के मिग-21, मिग-23 और मिग-27 जैसे फाइटर जेट्स की जगह भारत में बने एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स लेंगे, जो जल्द ही वायुसेना से रिटायर हो जाएंगे। स्वदेशी हथियारों को बढ़ावा देने की दिशा में यह बेहद अहम कदम है। इससे रक्षा क्षेत्र की छोटी और

मध्यम वर्ग की कंपनियों के बिजनेस को भी फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी लगातार एचएएल को बढावा दे रहे हैं और यही वजह है कि सभी प्रकार के स्वदेशी फाइटर जेट्स, हेलीकॉप्टर और इंजन के निर्माण की डील एचएएल को मिल रही हैं। वायुसेना एचएल को 83 एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स का ऑर्डर पहले ही दे चुकी है, जिसके तहत पहला फाइटर जेट कुछ ही हफ्तों में वायुसेना को मिल जाएगा। एलसीए मार्क 1ए, तेजस एयरक्राफ्ट का आधुनिक संस्करण है। 97 एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स के सौदे के बारे में भारतीय वायुसेना के चीफ एयरचीफ मार्शल वीआर चौधरी ने स्पेन में पहली बार जानकारी दी थी।

बंगाल में रैली के दौरान भाजपा पर भड़की ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर चुनाव आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग से सभी पार्टियों को समान अवसर सुनिश्चित करने का आह्वान किया। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी राजनीतिक लाभ के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

कूचबिहार और अलीपुरद्वार में लगातार दो रैलियां करने के दौरान बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पोल

पैनल हाल ही में जलपाईगुड़ी में आंधी के कारण क्षतिग्रस्त घरों का पुनर्निर्माण करने नहीं दे रही है।

उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अपनी राजनीतिक एजेंडा के लिए ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग का इस्तेमाल कर रही है। केंद्रीय जांच एजेंसियां और बीएसएफ, सीआईएसएफ जैसे अर्धसैनिक बल भी भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। हम चुनाव आयोग से अनुरोध करते हैं कि चुनाव में सभी पार्टियों को समान अवसर सुनिश्चित कराया जाए। तूफान प्रभावित लोगों के लिए राज्य प्रशासन की तरफ से पुनर्वास पैकेज देने के फैसले पर सीएम ममता ने कहा, राज्य प्रशासन लोगों को अपने घरों का पुनर्निर्माण करने के लिए दो चरणों में 1.20 लाख रुपये देगी।

ईडी, सीबीआई और आईटी केंद्र के राजनीतिक हथियार : राहुल

तिरुनेलवेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार (12 अप्रैल) को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में चुनावी सभा की। राहुल ने कहा कि भारत में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक तरफ न्याय, स्वतंत्रता और समानता है। कांग्रेस सांसद ने कहा- केंद्र सरकार ईडी, सीबीआई और आईटी का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। प्रधानमंत्री खुद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करते हैं।

पाक को अपनी धरती से आतंकवाद को समाप्त करना चाहिए : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी धरती से आतंकवाद को समाप्त करना चाहिए और उसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। अगर उसे लगता है कि वह ऐसा करने में सक्षम नहीं है, तो भारत की मदद ले सकता है। रक्षा मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा, भारत आतंकवाद से निपटने के लिए हर तरह की सहायता देने को तैयार है। अगर पाकिस्तान आतंकवाद का इस्तेमाल कर भारत को अस्थिर करने की कोशिश करेगा तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। हम

सीमापार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे और इस्लामाबाद के साथ संबंध सुधारने के लिए आतंकवाद को अलग करके नहीं देख सकते।

उन्होंने साफ किया कि अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद पर है। दोनों देशों के बीत आतंक, शत्रुता या हिंसा का माहौल समाप्त करना होगा। राजनाथ ने कहा, पाकिस्तान हमारा पड़ोसी है। हम दोनों मिलकर आतंकवाद खत्म कर सकते हैं, लेकिन यह उनका फैसला है। मैं सिर्फ एक सुझाव दे रहा हूं। आतंकवाद से निपटने के लिए भारत सब कुछ करेगा। हम आतंकियों को भारतीय सीमा के भीतर काम करने की इजाजत नहीं देंगे। गौरतलब है कि दोनों देशों के रिश्तों में आतंकवाद के कारण लंबे समय से बर्फ जमी है। जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दे पर बड़बोले पाकिस्तानी नेताओं के बयानों के कारण भी रिश्तों की तल्खी बरकरार है।

मार्च में खुदरा महंगाई दर घटकर 4.85 फीसदी हुई

नई दिल्ली। मार्च में खुदरा महंगाई दर 10 महीने में सबसे कम रही। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से खुदरा महंगाई दर में ये गिरावट देखी गई है। नेशनल स्टैटिकल ऑफिस की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश की खुदरा महंगाई दर मार्च में घटकर 4.85% रही, इससे पहले जुन में यह दर 4.81% थी। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6% है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा।

वायुसेना को देना होगा 1.54 करोड़ का मुआवजा

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की समीक्षा याचिका

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के सांबा में साल 2002 में एक सैन्य अस्पताल में संक्रमित रक्त चढ़ाने के कारण एक बुजुर्ग को एचआईवी हो गया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को एचआईवी से पीड़ित बुजुर्ग को मुआजवे के तौर पर लगभग 1.54 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था। हलांकि, अदालत ने इस मामले पर अपने फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस दिपांकर दत्ता और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि पिछले साल सितंबर के फैसले में ऐसी कोई गलती नहीं है कि इस पर पुनर्विचार किया जाए।

पीठ ने तीन अप्रैल को जारी अपने आदेश में कहा, हमने 26 सितंबर 2023 के फैसले और आदेश की समीक्षा याचिका का अध्ययन किया। इसमें कोई ऐसी गलती नहीं है, जिसपर हमें पुनर्विचार करना पड़े।

आतंकियों के लिए पनाहगाह बना बंगाल

बंगलूरू विस्फोट के आरोपियों की गिरफ्तारी पर भिड़े भाजपा-टीएमसी

कोलकाता। एनआईए ने बंगलूरू के रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी बंगलूरू विस्फोट के मास्टरमाइंड बताए जा रहे हैं। ये गिरफ्तारी कोलकाता से हुई है, जिससे पश्चिम बंगाल में भाजपा और टीएमसी आमने-सामने आ गए हैं। भाजपा ने आरोप लगाया है कि बंगाल, आतंकियों के लिए पनाहगाह बन गया है। वहीं टीएमसी ने भी भाजपा पर पलटवार किया है। भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने बंगलूरू विस्फोट के

आरोपियों की गिरफ्तारी पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में भाजपा नेता ने लिखा कि एनआईए ने रामेश्वरम कैफे को दो मुख्य संदिग्धों को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। जिनमें मुसाविर हुसैन शाजिब और अब्दुल मतीन अहमद ताहा शामिल हैं। दोनों आईएसआईएस की शिवमोगा या पश्चिम बंगाल सेल से जुड़े हो सकते हैं। दुर्भाग्य से ममता बनर्जी के कार्यकाल में बंगाल आतंकियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है।

भाजपा नेता के ट्वीट के कुछ ही देर बाद टीएमसी नेता कुणाल घोष ने दावा किया कि आरोपियों को बंगाल पुलिस की मदद से ही गिरफ्तार किया गया है। टीएमसी नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि बंगलूरू विस्फोट मामले में बंगाल पुलिस ने अच्छा काम किया है। एनआईए ने भी बंगाल पुलिस की मदद को स्वीकारा है। किसी भी देश विरोधी ताकत के साथ सख्ती से निपटा जाएगा, लेकिन मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं कि ये गिरफ्तारी कहां से हुई? कांथी से। हम सब जानते हैं कि भाजपा के किस नेता और उनके परिवार का वहां दबदबा है और कोंटाई से गैरकानूनी गतिविधियां चलाई जाती हैं। कांथी या कोंटाई भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी का क्षेत्र माना जाता है। टीएमसी नेता ने घटना की जांच की मांग की। बंगाल पुलिस ने भी भाजपा के आरोपों पर नाराजगी जताई और बताया कि बंगाल पुलिस और एनआईए के संयुक्त ऑपरेशन में ही दोनों आरोपियों को पकड़ा गया।

21 राज्यों में 127 सामान्य पर्यवेक्षक तैनात

नई दिल्ली। देशभर में सात चरणों में लोकसभा चुनाव शुरू होने वाला है। 21 राज्यों के 102 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में 19 अप्रैल से मतदान शुरू होगा। इसके लिए 127 सामान्य पर्यवेक्षक, 67 पुलिस पर्यवेक्षक और 167 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। सभी नामांकन के आखिरी दिन यानी की 26 मार्च को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में रिपोर्ट कर चुके हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखवीर सिंह सांधु ने सभी पर्यवेक्षकों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए गर्मी से निपटने के लिए सभी प्रकार की योजनाओं की व्यवस्था हो। मतदान के दौरान बलों का कम प्रयोग हो और कानून व्यवस्था का पालन किया जाए। लोकसभा चुनाव 2024 में कश्मीरी प्रवासियों को मतदान की सुविधा प्रदान करते हुए चुनाव आयोग ने जम्मू और उधमपुर में रहने वाले घाट के विस्थापित लोगों के लिए फॉर्म-एम भरने की प्रक्रिया को समाप्त कर दिया है। इसके अलावा, जम्मू और उधमपुर के बाहर रहने वाले प्रवासियों (जो फॉर्म एम जमा करना जारी रखेंगे) के लिए, चुनाव आयोग ने फॉर्म-एम के साथ शामिल करने वाले प्रमाणपत्र के स्व-सत्यापन को मान्यता दे दी है।

यूपी में सीधे 80 सीट जीतेंगे : अमित शाह

मुरादाबाद। गृहमंत्री अमित शाह मुरादाबाद में कहा कि इस लोकसभा चुनाव में यूपी की सभी सीटों पर भाजपा का परचम लहराएगा। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में कानून व्यवस्था लचर थी। आज योगी के शासनकाल में माफिया और गुडें पलायन कर रहे हैं। शाह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे यूपी में एयरपोर्ट बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस वे दिए और सिक्स लेन तैयार हो रहे हैं। सरकार 80 लाख ग्रामीणों तक बिजली पहुंचाने का काम कर रही है। मोदी सरकार ने तीन करोड़ से अधिक गरीबों का पांच लाख तक का इलाज मुफ्त करने का काम किया है। इसके अलावा 2 करोड़ शौचालय 10 साल में बने। इसका लाभा 14 करोड़ लाभार्थियों ले रहे हैं।

कांग्रेस का दोहरा चरित्र अब और नहीं : सीएम

पूर्व विधायक पारूल साहू भाजपा में शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को एक के बाद एक करारे झटके लग रहे हैं। पूर्व विधायकों के भाजपा में जाने का सिलसिला नहीं थम रहा। अब सागर जिले की सुरखी विधानसभा सीट से पूर्व विधायक पारूल साहू भी भाजपा में शामिल हो गई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नवरात्रि में देवी शक्ति की कृपा से लगातार भाजपा की शक्ति बढ़ रही है। नवरात्रि में एक महिला नेता का भाजपा में आना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा की न्यू जॉइनिंग कमेटी के संयोजक नरोत्तम मिश्रा समेत अन्य नेता मौजूद थे। पारूल साहू के साथ कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री शेर सिंह यादव, छिंदवाड़ा के जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित सक्सेना, डॉ. प्रतिभा राजगोपाल भी भाजपा में शामिल हो गई हैं। इनके अलावा जनपद सदस्य गैरतगंज रिजवान खान, जनपद सदस्य बेगमगंज वीरेन्द्र सिंह यादव, जनपद सदस्य गैरतगंज दीपक धाकड़, जनपद सदस्य बेगमगंज सुरेश, देवेंद्र, पूर्व प्रदेश प्रतिनिधि कांग्रेस कमेटी वीरेंद्र सिंह यादव, मध्यप्रदेश पुलिस कर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष बल्लू यादव, यादव महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष शेर सिंह यादव, रायसेन पसमांदा मुस्लिम समाज जिलाध्यक्ष अफरोज अली, वरिष्ठ पत्रकार कृष्णा यादव बिट्टू, बेगमगंज युवा कांग्रेस ब्लॉक पूर्व अध्यक्ष संदीप यादव, शासकीय महाविद्यालय छिंदवाड़ा पूर्व अध्यक्ष शाहिद खान सहित सरपंच, सरपंच प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ली।

भाजपा के दिग्गज नेता बड़े अंतर से चुनाव जीतने हेतु लगा रहे जोर

भोपाल। मध्य प्रदेश में चार चरणों में लोकसभा चुनाव होने हैं। चुनाव में भाजपा का पक्ष मजबूत दिखाई दे रहा है। ऐसे में भाजपा की तरफ से लोकसभा चुनाव लड़ रहे बड़े नेता अधिकाधिक मतों के अंतर से जीतने का जोर लगा रहे हैं। यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो से प्रत्याशी वीडी शर्मा के लिए अमित शाह जैसे बड़े नेता की रैली हो रही है। जबकि खजुराहो में इंडिया गठबंधन समर्थित समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन खारिज हो गया है। वहीं, विदिशा से पांच बार सांसद रहे शिवराज सिंह चौहान लगातार अपने क्षेत्र में संपर्क करने में जुटे हुए हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि इसके पीछे की वजह बड़ी जीत हासिल कर केंद्रीय

नेतृत्व के सामने मजबूत छवि बनाना है।

खजुराहो सीट पर भले ही 14 प्रत्याशी मैदान में हों, लेकिन प्रमुख विपक्षी दल इंडिया गठबंधन समर्थित समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन खारिज होने के बाद अब भाजपा की एकतरफा जीत तय मानी जा रही है। खजुराहो सीट पर अब प्रत्याशियों में वीडी शर्मा ही बड़ा नाम हैं। इसके बावजूद खजुराहो में वीडी शर्मा के समर्थन में अमित शाह रैली कर रहे हैं। साथ ही जनता से पिछली बार से दोगुने वोट से जिताने को कह रहे हैं। शर्मा के नामांकन में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पहुंची थीं। वीडी शर्मा पिछला चुनाव 4 लाख 92 हजार से अधिक वोटों से जीते थे।

विदिशा सीट भाजपा का गढ़ है। यहां से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पांच बार सांसद रहे। 2005 में मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बावजूद उन्होंने विदिशा क्षेत्र को नहीं छोड़ा। त्योहार या किसी ना किसी कार्यक्रम के बहाने जनता के बीच पहुंचते रहे। अब मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद पार्टी ने उनको 20 साल बाद विदिशा लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया, जिसके बाद से वे लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे कार्यकर्ताओं के घर भोजन करने के साथ ही रात रुक भी रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि वीडी शर्मा का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल पहले ही पूरा हो गया है। लोकसभा चुनाव के बाद उनका प्रदेश अध्यक्ष पद से हटना तय माना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी कोई बड़ी भूमिका नहीं मिली है। प्रदेश के दो केंद्रीय मंत्रियों को पार्टी ने विधानसभा चुनाव लड़ा कर राज्य में भेज दिया है। ऐसे में केंद्र में भाजपा की सरकार बनने पर प्रदेश से नेतृत्व करने के लिए नए चेहरों का मौका मिलेगा। ऐसे में प्रदेश के दिग्गज नेता बड़ी जीत से चुनाव जीत कर केंद्रीय नेतृत्व के सामने अपना कद बढ़ाना चाहते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार प्रभु पटैरिया का कहना है कि मध्य प्रदेश में भाजपा के पक्ष में सकारात्मक माहौल दिख रहा है। ऐसे में बड़े नेताओं के बीच में ज्यादा से ज्यादा लीड की होड़ दिखाई दे रही है। निश्चित तौर पर जो ज्यादा लीड से जीतेगा पार्टी की नजर में उसका महत्व बढ़ेगा। यही वजह है कि शिवराज सिंह चौहान अपने विदिशा में पूरा जोर लगा रहे हैं।

मोटराइज्ड ट्राइ साइकिल रैली निकालकर दिव्यांगजनों ने दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

सिंगरौली

लोक सभा निर्वाचन 2024 में समावेशी, सुगम, विश्वसनीय एवं नैतिक मतदान कराने के उद्देश्य से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप के तहत जिला प्रशासन, सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी सिंगरौली के संयुक्त तत्वाधान मे जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र मे आज 12 अप्रैल को दिव्यांगजनों एवं अन्य मतदाता हेतु जागरूकता कार्यक्रम एवं दिव्यांगजनों की मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल रैली निकाली गई । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्रशेखर शुक्ला ने सर्वप्रथम उपस्थित सभी दिव्यांगजनों को शत प्रतिशत मतदान करने हेतु शपथ दिलाई एवं उसके पश्चात रैली को रवाना किया गया और स्वयं भी सम्पूर्ण रैली में शामिल होकर दिव्यांजनो का उत्साहवर्धन करते रहे । इस कार्यक्रम मे बैटरी ऑपरेटड मोटोराइज्ड ट्राइसाइकिल एवं कृत्रिम पैर इस्तेमाल करने वाले दिव्यांगजनो ने भी सक्रिय रूप से

भाग लिए। उपरोक्त रैली के अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश द्वारा सभी दिव्यांगजनों से मतदान में भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम अंतर्गत नगर निगम कमिश्नर दया किशन शर्मा ने दिव्यांगजनों को मतदान में भाग लेने हेतु बाधारहित वातावरण एवं हर संभव सहायता प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए जाने हेतु बताया गया । इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक अनुराग मोदी द्वारा दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए लोकतंत्र के महापर्व में सभी की सहभागिता की आवश्यकता पर चर्चा किया साथ ही उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग कर एक सुव्यवस्थित लोकतंत्र का निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकते है जिससे दिव्यांगजनों हेतु शासन द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उनको प्रदान किया जा सके। रेडक्रॉस चेयरमैन एस डी सिंह द्वारा लोक सभा में निर्वाचन हेतु दिव्यांगजनों की लोकतंत्र में सहभागिता एवं अनिवार्यता के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही दिव्यांगों को मतदान केंद्र में लाने एवं सुगम्य व सुव्यवस्थित मतदान करने तथा सुदृढ़ लोकतंत्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने हेतु जानकारी

प्रदान किया गया। रेडक्रॉस सचिव डॉ. डी के मिश्रा द्वारा जानकारी दी गई कि जो मतदाता मतदान केंद्र में जाकर मतदान करने हेतु अक्षम है उनको घर बैठे मतदान कराने की सुविधा प्रदान की गई है जिसके अंतर्गत मतदान दिवस के पांच दिवस पूर्व ही अपना मतदान कर सकते है एवं लोकतंत्र के इस उत्सव में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की। इस अवसर पर दिव्यांगजनों के द्वारा सामूहिक मतदान सम्बन्धी जागरूकता रैली निकली गई एवं समाज के हर वर्ग के लोगों से अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु अपील किया गया।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

इस कार्यक्रम अंतर्गत नगर पालिक निगम से कार्यपालन अधिकारी व्हीपी उपाध्याय, डिप्टी कमिश्नर सत्यम मिश्रा,इला शाह,आशीष शुक्ला, जिला पंचायत से अवनीश पाठक तथा रेडक्रॉस प्रबंध समिति के सदस्य संजय प्रताप सिंह, डॉ.आर डी द्विवेदी, ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह, जितेंद्र सिंह, विवेक कुमार त्रिपाठी, मनोरमा शाहवाल तथा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं रेडक्रॉस के केंद्रीय कार्यालय एवं बालिका खुला आश्रय गृह के समस्त सेवायुक्त द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

बीमार पत्नी को कंधे पर लेकर अस्पताल पहुंचा था पति

सोशल मीडिया पर विडियो वायरल होने के बाद सीएमएचओ ने लिया संज्ञान

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई पहुंचे सीएमएचओ

बीएमओ व चिकित्सको को लगाई फटकार, नोटिस भेजकर मांगा है जवाब

सिंगरौली। बीमार पत्नी को कंधे पर लेकर अस्पताल पहुंचने के मामले को सीएमएचओ ने संज्ञान लिया है। सरई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती महिला को बेहतर उपचार मुहैया कराने का निर्देश बीएमओ व स्थानीय चिकित्सकों को देते हुए कहा कि मरीजों को समय पर उपचार मुहैया कराएं। वहीं एंबुलेंस नहीं मिलने के संबंध में महिला के पति से जानकारी लेने के बाद संबंधित को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सीएमएचओ डॉ. एनके जैन ने बताया कि बीते बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें बेलवानी रजनिया निवासी पप्पु बैगा अपनी बीमार पत्नी रामकली बैगा को कंधे पर लेकर सरई स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए पहुंचा है। उक्त वीडियो के संबंध में देवसर बीएमओ व सरई के चिकित्सकों से पूछताछ करने के बाद महिला मरीज के संबंध में जानकारी चाही गई। जिसमें मालूम चला कि महिला को बुखार आने से उसे कमजोरी हो गई है और टीबी की संदिग्ध मरीज भी है। सीएमएचओ ने देवसर बीएमओ को फटकार लगाते हुए कहा कि तत्काल महिला की पूरी जांच कराई जाए। इसके बाद उसे बीमारी से संबंधित उपचार शुरू करें। जिससे उसकी तबीयत में सुधार हो सके। इसके अलावा महिला का आयुष्मान कार्ड भी बनवाया गया। ताकि बाहर या फिर निजी अस्पताल में भी उसे निःशुल्क उपचार मिल सके।

संतोषजनक जवाब न मिलने पर होगी कार्यवाही

सीएमएचओ ने बताया कि एंबुलेंस नहीं मिलने के संबंध में हमारे पास दिनभर में कई मरीजों के परिजन फोन करते हैं। उन्हें आश्वासन देते हैं लेकिन इसके बावजूद यदि मरीजों को समय पर एंबुलेंस की सुविधा मुहैया नहीं होती है तो यह लापरवाही को दर्शाता है। महिला मरीज को एंबुलेंस की सेवा नहीं मिली है। इस संबंध में भी जानकारी मांगी गई है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

अज्ञात कारण से युवक ने लगाई फांसी

सिंगरौली। माड़ा थाना क्षेत्र के इंको एडवेंचर पार्क के बगल में स्थित पेड़ में धरी गांव निवासी युवक ने गुरूवार की रात फांसी अज्ञात कारणो से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार श्याम लाल यादव पिता रामप्रसाद यादव निवासी धरी गुरूवार की शाम माड़ा बाजार में घरेलू सामान लेने के लिए आया हुआ था। जो रात को घर नही पहुंचा। सुबह पुलिस को सूचना मिली कि इको एडवेंचर पार्क के बगल स्थित पेड़ में एक फांसी पर शव लटका हुआ है। सूचना उपरांत मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करते हुए शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर पंचनामा प्रक्रिया उपरांत शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। इधर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

माइक्रो आब्जर्वर को दिया गया प्रशिक्षण

मतदान दिवस के दायित्वो का गंभीरता से करे निर्वहन : कलेक्टर

सिंगरौली। जिले में लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान 19 अप्रैल को कराया जायेगा। निर्वाचन कार्य में संलग्न माईक्रो आब्जर्वर का प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर श्री चन्द्रशेखर शुक्ला के उपस्थिति में आयोजित किया गया। माईक्रो अब्जर्वरो को निर्देश देते हुये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि माईक्रो अब्जर्वर निर्वाचन के महत्वूपर्ण अंग है। प्रशिक्षण में माइक्रो आब्जर्वर को दायित्वों की जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान के दिन किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन के दौरान माइक्रो ऑब्जर्वर का कार्य काफी अहम होता है। निर्वाचन निष्पक्ष और निर्विघ्न कराने में माइक्रो आब्जर्वर अपने दायित्वों का पूरी तरह से निर्वहन करें। इसके साथ ही मतदान केंद्रों से संबंधित रिपोर्ट निर्धारित प्रपत्र में सही-सही उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि माइक्रो आब्जर्वर को मतदान केंद्र के अंदर सभी गतिविधियों पर निगरानी रखना है। माइक्रो आब्जर्वर को मतदान केंद्र पर मॉक पोल शुरू होने से पूर्व उपस्थित रहना होगा। मतदाता को मतदान के लिए फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र या फिर भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से पहचान के संबंध में अन्य दस्तावेज आवश्यक रूप से लाना होगा। मॉक पोल मतदान केंद्र पर दो मतदान अभिकर्ता की उपस्थिति में किया जाएगा। प्रशिक्षण में माइको आब्जर्वर की तरफ से भरे जाने वाले विभिन्न प्रपत्रों के साथ-साथ प्रशिक्षण में टेस्ट वोट, चैलेंज वोट, मॉक पोल के पूर्व की जाने वाली तैयारियों के संबंध में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश सहित मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

20 लीटर अवैध महुआ शराब समेत 180 किग्रा लाहन जप्त, जियावन पुलिस ने की कार्यवाही

सिंगरौली। लोकसभा निवार्चन-2024 को दृष्टिगत रखते हुए तथा लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु जिला पुलिस अधीक्षक सिंगरौली द्वारा अवैध मादक पदार्थ बिक्री व परिवहन करने वाले व्यक्तियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के निर्देशन एवं एएसपी शिवकुमार वर्मा, एसडीओपी देवसर राहुल कुमार सैयाम के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी जियावन राजेन्द्र प्रसाद पाठक के नेतृत्व में अवैध शराब कारोबारी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए केमलभान सिंह पिता भगवान सिंह गोंड़ उम्र 40 साल निवासी सरौंधा के कब्जे से 20 लीटर अवैध महुआ की शराब एवं 180 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर आरोपी के विरूद्ध आबकारी एक्ट का अपराध कायम किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी जियावन राजेंद्र प्रसाद पाठक, उपनि वाईएल वर्मा, एएसआई तेजबहादुर सिंह, एएसआई एलएन द्विवेदी, एएसआई सामलिया रावत, एएसआई गुलाब सिंह, महिला प्रआर सविता सिंह, आर. धीरज कुमार शामिल रहे।

14 वर्षों से फरार इनामी स्थाई वारंटी को मोरवा पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिंगरौली। विगत 14 वर्षों से मारपीट के प्रकरण में फरार चल रहे इनामी स्थाई वारंटी को मोरवा पुलिस ने बहरी क्षेत्र से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल कर ली। पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के निर्देशन पर फरार स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत एसडीओपी कृष्ण कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में मोरवा निरीक्षक अशोक सिंह परिहार की टीम ने आरोपी को पकड़ा है। जानकारी अनुसार आरोपी पर वर्ष 2010 में मारपीट के मामले में धारा 294, 323, 506,34 एवं 324 भादवि कायम हुई थी। इसी में न्यायालय प्रकरण क्रमांक 3081/10 में शुरु प्रसाद उर्फ सूरज वसदेवा पिता बालीकरण वसदेवा निवासी ग्राम झरी थाना बहरी पेशी से गैरहाजिर चल रहा था। जिस कारण माननीय न्यायालय द्वारा इसका स्थाई वारंट जारी किया गया। बाद में पुलिस ने इस पर 2000 रुपये का इनाम भी घोषित कर दिया था। पुलिस सूत्रों की माने तो यह लोग बंजारों की तरह जीवन यापन करते हैं। इस कारण अभी तक यह पुलिस के हाथ नहीं लग सका था। पर कल देर रात पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर उक्त व्यक्ति को बहरी क्षेत्र से गिरफ्तार लिया जिसे आज न्यायालय में पेश किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में सउनि उमेश अग्निहोत्री, पप्पू सिंह, आर. तुलसीराम, राहुल साहू एवं सुरेश परस्ते की भूमिका रही।

नगर निगम आयुक्त का निर्देश

होटल, मैरिज हाल सहित अन्य प्रतिष्ठानों में लगवाने होंगे अग्नि सुरक्षा संयंत्र

सिंगरौली। नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा के द्वारा नगरीय क्षेत्र में संचालित होटलो, विवाह घर शापिंग माल सहित अन्य प्रतिष्ठानो का औचक निरीक्षण कर प्रतिष्ठानो में अग्नि सुरक्षा संयंत्रो की जॉच की गई। निगमायुक्त के द्वारा निर्देश दिये कि गये नगरीय क्षेत्र में संचालित सभी होटलो, विवाह घरो सहित अन्य प्रतिष्ठानो में अग्नि सुरंक्षा संयंत्र लगाया जाना अनिवार्य है। उन्होने कहा कि अगर किसी भी प्रतिष्ठान संचालक द्वारा नियमो का उल्लघन किया गया तो संबंधित प्रतिष्ठान के विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। उन्होने निर्देश दिये कि प्रतिष्ठान संचालक समय समय पर फायर सेफ्टी आडिट भी कराये ताकि भविष्य में अगर कही कोई दुर्घटना होती है। संयंत्र के माध्यम से तत्काल उसे रोका जा सके। तत्पश्चात निगमायुक्त के द्वारा ईद त्योहार को लेकर की व्यवस्थाओ पेयजल, साफ-सफाई आदि का भी निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियो को आवश्यक निर्देश दिये गये।

सोन नदी में नहाने गए लापता किशोर का दूसरे दिन भी नही लगा सुराग

एसडीआरएफ व होमगार्ड की टीम आज फिर करेगी रेस्क्यू

सिंगरौली। सोन नदी में नहाने गए लापता किशोर का सुराग रेस्क्यू टीम नहीं लगा पाई है। घटना के दूसरे दिन नदी क्षेत्र में करीब दस किमी तक की एरिया में एसडीआरएफ व होमगार्ड की टीम ने सर्चिंग किया लेकिन कुछ पता नहीं चला है। अब शनिवार सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू किया जाएगा। पुलिस ने बताया है कि मुड़पेली गांव निवासी प्रधान विश्वकर्मा पिता रामाधार विश्वकर्मा उम्र 14 वर्ष बीते गुरुवार की दोपहर दोस्तों के साथ बर्दी सोन नदी तट पर नहाने गया था। जहां युवक गहरे पानी में चला गया और वह लापता हो गया। बाकी के तीन दोस्तों ने बाहर निकलकर किशोर के लापता होने की सूचना पुलिस को दी। मौके पर रेस्क्यू टीम लेकर पहुंची पुलिस ने सर्चिंग शुरु करा दी लेकिन किशोर का कुछ पता नहीं चला। फिर घटना के दूसरे दिन शुक्रवार को भी रेस्क्यू टीम ने नदी में दिनभर तलाश किया। मगर लापता किशोर का पता नहीं लगा है। शनिवार को फिर से रेस्क्यू कर सोन नदी में लापता किशोर की तलाश रेस्क्यू टीम करेगी।

चुनाव के मद्देनजर बरगवां पुलिस का फ्लैग मार्च

सिंगरौली। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए लागू अचार सहिंता के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं एसडीओपी कृष्ण कुमार पांडे के मार्गदर्शन पर निरीक्षक विद्या वारिधि तिवारी द्वारा सीमा सुरक्षा बल एवं बरगवां पुलिस बल के जवानों के साथ शुक्रवार सुबह क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च निकालने का मुख्य उद्देश्य लोगों में भयमुक्त वातावरण पैदा कर निष्पक्ष तौर पर वोट डालने के लिए प्रेरित करना था। साथ ही असामाजिक तत्वों के बीच पुलिस का सीधा संदेश देना था कि आचार संहिता में लागू नियम का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षक विद्या वारिधि तिवारी द्वारा सीएपीएफ के 90 जवानों व बरगवां पुलिस बल के साथ बरगवां क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस का फ्लैग मार्च ग्राम तेलदह, चिनंगी टोला, गोनर्रा, कसर क्षेत्र व बरगवां के व्यस्त मार्गो से होते हुए गुजरा। पुलिस का सायरन सुन एवं कदम ताल देख लोग सिहर उठे। वह एक टक पुलिस का फ्लैग मार्च देखते रहे।

इस बावत निरीक्षक ने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव संपन्न कराने की गारंटी है 'हमारी टीम सिंगरौली पुलिस। अत: कर्तव्य पथ पर बढ़ते कदम के साथ सुबह-सुबह यह फ्लैग मार्च सेना के जवानों के साथ निकला गया है।

निर्वाचन कार्य में नियुक्त दल ईडीसी के माध्यम से करेगे अपने मताधिकार का प्रयोग

सिंगरौली। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात अमले को मतदान की सुविधा देने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चुनाव ड्यूटी पर तैनात वे सभी लोग जो उस स्थान पर मतदान नहीं कर सकते हैंए जहां मतदाता सूची में उनके नाम दर्ज हैं। उन्हें डाक मत पत्र या चुनाव ड्यूटी प्रमाण-पत्र से यह सुविधा दी जाएगी। यदि किसी कर्मचारी की चुनाव ड्यूटी उसी चुनाव क्षेत्र में लगती है,जहां का वह मतदाता है तो उसे चुनाव ड्यूटी प्रमाण-पत्र के माध्यम से यह सुविधा मिलेगी। इस सुविधा से वह चुनाव ड्यूटी प्रमाण-पत्र के माध्यम से उसी मतदान केंद्र में मतदान कर सकेंगे।

मारपीट के मामले में फरार चल रहा ईनामी आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। विंध्यनगर पुलिस ने तीन वर्ष पूर्व मारपीट के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है,जहां न्यायालय से जेल भेज दिया गया है। आगामी लोकसभा चुनाव को मद्देनजर रखते पुलिस अधीक्षक निवेदिता गुप्ता के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिस तारतम्य में विंध्यनगर थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने मारपीट के मामले में तीन वर्ष से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। विंध्यनगर थाना प्रभारी श्री मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन वर्ष पूर्व के मारपीट के मामले में फरार चल रहे आरोपी ऋषी साकेत पिता कृष्णदयाल साकेत उम्र 20 वर्ष निवासी नवजीवन बिहार सेक्टर नंबर 3 थाना विंध्यनगर को विंध्यनगर पुलिस ने 2 किमी दूर तक दौड़ाकर पकड़ा है। आरोपी इतना चालाक है कि जब भी पुलिस इसके घर में पकड़ने जाती थी तो आरोपी एवं इसके परिवार के लोग हल्ला गुहार करने लगते थे। जिसका फायदा उठाकर आरोपी भाग जाता था। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा दो हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया गया था। 11 अप्रैल को थाना प्रभारी विंध्यनगर को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की आरोपी आज अपने मोहल्ले में घूम रहा है। जिसे पकड़ने के लिए पुलिस ने घरोबंदी कर आरोपी को पकड़ा। आरोपी के विरुद्ध अब तक करीब पांच अपराध पंजीबद्ध है। उक्त कार्यवाही में एएसपी एसके वर्मा के मार्गदर्शन व सीएसपी पीएस परस्ते के सतत निगरानी में विंध्यनगर थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा,सउनि सुनील दूबे,प्रआर राकेश विश्वकर्मा, पंकज सिंह,कृष्ण कुमार पाण्डेय, आर. अशोक कुशवाहा की भूमिका रही।

कांग्रेस ने तीनों लोक में भ्रष्टाचार किया : नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की विकास और पाकिस्तान की बात, कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर प्रहार

विशेष संवाददाता

सीधी। लोकसभा चुनाव में पार्टी की पक्की करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज मध्य प्रदेश के दौरे पर थे। उन्होंने सीधी लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी डॉ. राजेश मिश्र के समर्थन में बहरी सिंहावल में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने देश के विकास, पाकिस्तान और चाइना की बात। इसके अलावा कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन की सभी पार्टियों के भ्रष्टाचार पर जमकर प्रहार किए। पढ़िए जेपी नड्डा के सभा की बड़ी बातें।

जेपी नड्डा ने कहा- पहले राजनीति लोगों को बांटकर होती थी। कांग्रेस ने लबें समय तक भाई-भाई को बांटा है। वोटबैंक की राजनीति की, फिर वोट लेने के बाद सरकार किसी जाति, समुदाय या वर्ग की बन जाती थी, वह सबकी सरकार नहीं होती थी। लेकिन, मोदी जी ने पिछले 10 वर्षों में भारत की राजनीति की परिभाषा बदल डाली है। अब राजनीति होगी तो केवल विकास और रिपोर्ट कार्ड की होगी।

आज दुनिया में अमेरिका जैसे देश की भी आर्थिक स्थिति लड़खड़ा रही है। सारे यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया की भी आर्थिक स्थिति लड़खड़ा रही है। लेकिन, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड को सबसे सुनहरा भविष्य भारत का दिख रहा है। भारत 11वें से 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। अब मोदीजी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, युवा, महिला और किसान सबकी चिंता की है। सबको आगे बढ़ाया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूरे देश में 11 करोड़ 30 लाख कनेक्शन दिए गए। जिनमें से 55 लाख कनेक्शन मध्य प्रदेश में और 1.60 लाख कनेक्शन यहां सीधी में दिए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के 10 करोड़ 74 लाख परिवारों, यानी 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत हर वर्ष 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी है। देश के करोड़ों लोगों को पक्के

आवास दिए गए, गैस सिलेंडर दिए हैं। 10 साल पहले गणेशजी भी चाइना से आते थे। अब आप जो गणेशजी लाकर दिवाली पर लाकर पूजा करते हैं, वो भारत में बन रहे हैं। आज भारत खिलौने के एक्सपोर्ट में ढाई गुना की वृद्धि कर गया है। 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया। पहले आपके पास मेड इन चाइना का मोबाइल होता था और अब आपके मोबाइल पर मेड इन इंडिया लिखा होता है। एप्पल मोबाइल फोन भी देश में बन रहे हैं।

जेपी नड्डा ने कहा- पीएम मोदी ने देश को हीरा (।इक्र) दिया है। हीरा क्या है? एच फॉर हाईवे, 10 साल में देश में एक लाख 65 हजार किमी हाईवे बने हैं। आई फॉर इंटरनेट, देश के गांव गांव में ऑपटिकल फाइवर से इंटरनेट पहुंचाने का काम किया है। आर फॉर रेलवे, देश में हर जगह रेलवे की कनेक्टिविटी बढ़ाई गई है। मप्र में रेलवे का बजट लगभग चार गुना बढ़ाया गया है। इसी तरह ए फॉर एयरवेज, एयरवेज की कनेक्टिविटी को भी बढ़ाया गया है।

10 साल पहले पाकिस्तान जब पुंछ में गोली चलता था तो वो नगरोटा सेंटर पर रिपोर्ट करते थे। नगरोटा चंड़ी मंदिर को रिपोर्ट करता था, चंड़ी मंदिर दिल्ली में रिपोर्ट करता था और वहां से आदेश आता था अभी रुको, अभी रुको। जब से मोदी जी पीएम बनें हैं, आपके यहां से गए जवान को आदेश है, जहां गोली चले वहीं भून डालो। हमारे जवानों ने सर्जिकल स्ट्राइक किया। पुलवामा की घटना तो देश के पीएम ने खुले मंच से कहा- पाकिस्तान तुमने गलती कर दी है, खामियाजा भुगतना पड़ेगा। 10 दिन के अंदर एयर स्ट्राइक करके हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इसलिए, यह नारा सही है अबकी बार 400 पार। जेपी नड्डा ने कहा कि ये घमंडिया गठबंधन वाले बौखला गए हैं, इनको हार सामने दिख रही है। बौखलाहट में ये मोदी जी को पता नहीं क्या-क्या गालियां दे रहे हैं। मीसा भारती ने कहा कि %हमारी सरकार आएगी तो हम मोदी जी को जेल भेज देंगे।% अरे, मोदी जी 12 साल मुख्यमंत्री रहे और 10 साल से प्रधानमंत्री हैं। उन पर एक भी दाग नहीं है और ये लोग उनके लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं। आप बताइए, लालू यादव, राबड़ी देवी बेल पर हैं की नहीं है। इनके परिवार पर भष्टाचार के आरोप हैं। ये लोग मवेशी का चारा खा गए और ऐसी भाषा बोलते हैं। इंडी गठबंधन दो बातों का गठबंधन हैं। मोदी जी कहते हैं भष्टचार हटाओ और ये कहते हैं भष्टाचारियों को बचाओ। सभा में जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा- कांग्रेस के जमाने में कोयला, पनडुब्बी, अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर, चीनी, चावल और कॉमनवेल्थ गेम्स में घोटाला हुआ। दो जी और थ्री जी में भी घोटाला हुआ। कांग्रेस ने न अंतरिक्ष छोड़ा, न धरती छोड़ी और न पाताल छोड़ा। इन्होंने तीनों लोकों में भ्रष्टाचार किया। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, पी चिदंबरम और उनका बेटा कार्तिक चिदंबरम आज बेल पर हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पैरालीगल वॉलेंटियर्स के लिए आवेदन आमंत्रित

सीधी। सदस्य सचिव म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा ग्रामों तहसीलों, जिले में स्थापित किये जाने वाले लीगल एड क्लीनिक व पुलिस थानों में समाज के कमजोर, पिछड़े, पीड़ित व्यक्तियों को सहायता एवं सलाह व गुमशुदा बच्चों की मदद करने हेतु तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्ययोजना क्रियान्वयन में सहयोग हेतु पैरालीगल वॉलेंटियर्स का 01 वर्ष के लिये चयन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। पैरालीगल वॉलेंटियर्स का कार्य पूर्णत: सेवा कार्य है इसके लिये कोई भी वेतन मजदूरी देय नहीं होगी राज्य प्राधिकरण के निर्देशानुसार समय-समय पर निर्धारित मानदेय पैरालीगल वॉलेंटियरों को देय होगी।

विशेष नोट पैरालीगल वॉलेंटियर्स का कार्य पूर्णत सेवा का कार्य है, नौकरी नहीं इसके लिये कोई वेतनध्मजदूरी देय नहीं है। राज्य प्राधिकरण के निर्देशानुसार समय-समय पर निर्धारित मानदेय पैरालीगल वॉलेंटियर को देय होगा। आयु सीमा- किसी भी आयु का कोई भी व्यक्ति आवेदन कर सकता है बशर्ते स्वस्थ हो और उसमें किसी भी प्रकार का ऐसा कोई शारीरिक दोष न हो जो उसे कार्य करने के लिये अक्षम बनाता है। शैक्षणिक योग्यता-कम से कम 12वी कक्षा उत्तीर्ण हो। निम्न समूहों के व्यक्तियों को चयन में प्राथमिकता दी जावेगी- शिक्षक जिसमें रिटायर्ड शिक्षक भी शामिल है। रिटायर्ड सरकारी सेवक एवं वरिष्ठ नागरिक, एमएस.डब्लू, स्टूडेन्ट व शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, चिकित्सक, स्टूडेंट और लॉ स्टूडेंट जो अधिवक्ता के रूप में नामांकित न हो, एन.जी.ओ. एवं क्लब के सदस्य, महिला समूहों मैत्री संघो, स्व सहायता समूहों के सदस्य, जेल में अच्छे व्यवहार के लम्बी सजा प्राप्त कैदी।

पैरालीगल वॉलेंटियर के लिये आवेदन करने की अंतिम तिथि 30.04.2024 नियत की गई है कोई भी व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में आवेदन भरकर उसके साथ एक पासपोर्ट साइज का फोटो संलग्न कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के कार्यालय में कार्यालयीन समय में जमा कर सकता है। अधिक जानकारी के लियं जिला न्यायालय सीधी व्यवहार न्यायालय चुरहट, मझौली, रामपुर नैकिन के नोटिस बोर्ड में चस्पा विज्ञापन देखा जा सकता है।

पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 11-सीधी के लिए मतदान 19 अप्रैल 2024 को मतदान कराया जाएगा। उक्त को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में मतदान दलों को 12 से 15 अप्रैल तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शुक्रवार को संजय गांधी महाविद्यालय में प्रथम दिवस चुनाव प्रशिक्षण दल के साथ आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी कमरों में सेक्टर ऑफिसर्स भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण में सामान्य परिचयात्मक विवरण, मॉक पोल व मॉक पोल के पश्चात ईवीएम वीवीपीएटी सीलिंग,

पीठासीन अधिकारी की निर्वाचन दिवस की रिपोर्ट, खराब यूनिट का बदलना, ई.व्ही.एम. वीवीपीएटी का परिचालन समझाया गया। साथ ही मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ईव्हीएम से लेकर मतपत्र, पोस्टल बैलेट, विभिन्न प्रकार के लिफाफे आदि के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारियों के कर्तव्यों के साथ-साथ मतदाता सूचना पर्ची के संबंध में विस्तार से बताया। मास्टर ट्रेनरों ने प्रशिक्षार्णियों को बताया कि मतदान केन्द्र बनाते समय इस बात को विशेष रूप से ध्यान रखना है कि मतदान की गोपनीयता बनी रहे, दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को आयोग द्वारा प्राप्त सुविधायें प्राप्त हो। मतदान दल का व्यवहार मधुर हो। निर्वाचन के दौरान विभिन्न प्रारुपों व प्रपत्रों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र है, उनको विधिवत भरना अनिवार्य है जिससे निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का संदेह नहीं रहे।

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक टेलीविजन या अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा

सीधी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिये मीडिया कव्हरेज के परिप्रेक्ष्य में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमैटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रदर्शित नहीं करेगा। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ऐसे इरादे या गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जायेगा।

टीवी चौनलों में पैनल चर्चा/बहस और अन्य समाचार और समसामयिक कार्यक्रमों के प्रसारण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप लगते हैं। इस संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया है कि टीवी/रेडियो चौनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धारा 126 में उल्लेखित 48 घंटों की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रसारित/प्रदर्शित कार्यक्रमों के कंटेन्ट में दृश्य सहित ऐसी कोई भी सामग्री शामिल नहीं है। पैनलिस्टों/प्रतिभागियों द्वारा अपील करने पर उन्हें किसी पार्टी विशेष या उम्मीदवार की संभावना को बढ़ावा देने या चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के रूप में माना जा सकता है। इसमें जनमत सर्वेक्षण और मानक बहस, विश्लेषण, दृश्य और ध्वनि-बाइट्स का प्रदर्शन शामिल होगा। इसमें टीवी, केबल नेटवर्क, रेडियो, सिनेमा हॉल में किसी भी चुनावी मामले पर राजनीतिक विज्ञापन, किसी भी मतदान में थोक एसएमएस/वॉयस संदेशों, ऑडियो विजुअल डिस्प्ले का उपयोग आदि भी शामिल है।

आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर राजनीतिक विज्ञापनों के लिये आयोग के पूर्व आदेशानुसार राज्य/जिला स्तर पर गठित समितियों द्वारा पूर्व-प्रमाणन की आवश्यकता होगी। इस संदर्भ में आयोग द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का एनबीएसए द्वारा 3 मार्च, 2014 को जारी ''चुनावी प्रसारण के लिए दिशा-निर्देश'' की ओर विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया गया है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आम चुनावों के दौरान चुनावी प्रक्रिया की अखंडता बनाए रखने के लिए अपने प्लेटफार्मों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सभी भाग लेने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के लिए एक ''स्वैच्छिक आचार संहिता'' भी विकसित की है। सभी चुनावों के दौरान इस ''स्वैच्छिक आचार संहिता'' का पालन किया जाना चाहिए। यह संहिता वर्तमान लोकसभा चुनावों में भी लागू है। इस संबंध में आयोग द्वारा सभी संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का 20 मार्च, 2019 की ''स्वैच्छिक आचार संहिता'' की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है।

आयोग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार या कोई अन्य संगठन या व्यक्ति मतदान के दिन और मतदान के दिन से एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं करेगा, बशर्ते कि राजनीतिक विज्ञापनों की सामग्री पूर्व-प्रमाणित हो।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में राजनैतिक विज्ञापनों के प्रसारण के पूर्व प्रमाणन अनिवार्य

बल्क एमएमएस, रेकार्डेड वाइस मैसेज, मोबाईल नेटवर्क पर प्रचार-प्रसार के लिए पूर्व प्रमाणन अनिवार्य

सीधी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार पूरे वर्ष इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के प्रसारण के पूर्व राज्य स्तरीय या जिलास्तरीय एमसीएमसी से प्रमाणन आवश्यक होगा। वर्ष भर टीवी, केबल नेटवर्क, केबल चेनल, सिनेमा हाल में, रेडियो मय प्रायवेट एफएम चेनल, ऑडियो विजुअल डिस्प्ले (लोक स्थान पर), बल्क एमएमएस, रेकार्डेड वाइस मैसेज, मोबाईल नेटवर्क, ई न्यूज पेपर, सोशल मीडिया एवं इण्टरनेट वेबसाईट पर पूर्व प्रमाणन आवश्यक होगा। समस्त प्रकार के प्रिंट मीडिया में मतदान दिवस से एक दिन पूर्व तथा मतदान दिवस को पूर्व प्रमाणीकरण करवाना होगा।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार किसी भी केबल आपरेटर को ऐसे किसी भी विज्ञापन को प्रसारित या पुन: प्रसारित करने से प्रतिबंधित किया गया है जो निर्धारित कार्यक्रम कोड और विज्ञापन कोड के अनुरूप नहीं है। धर्म, नस्ल, भाषा, जाति या समुदाय या किसी भी अन्य आधार पर शत्रुता को बढ़ावा देने की संभावना है। धर्म, नस्लीय, भाषाई या क्षेत्रिय समूहों या जातियों या समुदायों के बीच वैमनस्य या शत्रुता, घृणा या द्वेष की भावना या जिससे सार्वजनिक शान्ति भंग होने की सम्भावना है। केबल सेवा में किया जाने वाला कोई भी विज्ञापन देश के कानूनों के अनुरूप डिजाइन किया जाना चाहिए और ग्राहकों की नैतिकता, शालीनता और धार्मिक संवेदनशीलता को ठेस नहीं पहुँचना चाहिए। किसी भी ऐसे विज्ञापन की अनुमति नहीं दी जायेगी जो किसी भी जाति, रंग, पंथ और राष्ट्रीयता का उपहास करता हो, भारत के संविधान के किसी भी प्रावधान के खिलाफ हो और लोगों को अपराध के लिए उकसाता हो, अव्यवस्था या हिंसा का कारण बनता हो या कानून का उल्लंघन करता हो या हिंसा या अश्लीलता का महिमा मण्डन करता हो। इसके अतिरिक्त आरपीएक्ट 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के अधीन निम्न की अनुमति नहीं दी जा सकती- अन्य देशों की आलोचना, धर्मों या समुदायों पर हमला, कोई भी अश्लील या अपमान जनक सामग्री, हिंसा के लिए उकसाना, न्यायालय की अवमानना संबंधी कुछ भी, राष्ट्रपति और न्यायपालिका की सत्यनिष्ठता पर आक्षेप, राष्ट्र की एकता, सम्प्रभुता और अखण्डता को प्रभावित करने वाली कोई बात, किसी भी व्यक्ति के नाम से कोई आलोचना। सर्वोच्च न्यायालय का आदेश राजनीतिक दल या उम्मीदवार से भिन्न व्यक्तियों के विज्ञापन पर रोक नहीं लगाता है। यद्यपि आदेश में यह कहा गया है कि ऐसे व्यक्ति किसी भी राजनीतिक दल या अभ्यर्थी के लाभ के लिए विज्ञापन नहीं दे सकते। इसका तात्पर्य यह भी है कि किसी राजनीतिक दल या उम्मीदवार के विरूद्ध विज्ञापन की भी अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि इससे अन्य दलों या उम्मीदवारों को लाभ होगा। समस्त इलेक्ट्रॉनिक विज्ञापन पूर्व प्रमाणिकरण की सीमा में आएंगे, इसमें वेब साइट एवं सोशल मीडिया वेबसाईट शामिल होंगे, तथापि फ्लेक्स, होर्डिंग, वॉलपेपर, पेम्पलेट आदि इस परिधि में नहीं आते हैं परन्तु इन पर एमसीसी, आरपीएक्ट 1951 की धारा 127-ए तथा व्यय संबंधी प्रावधान लागू होंगे।

राजनीतिक दल तथा अभ्यर्थी स्वयं के ब्लॉग, अकाउण्ट पर पोस्टेड अपलोड किए जाने वाले वीडियो, फोटो संदेश, कमेण्ट पर प्रि-सर्टिफिकेशन की शर्त लागू नहीं होगी अर्थात इस हेतु पूर्व प्रमाणिकरण आवश्यक नहीं होगा।

मतदान समाप्ति के 48 घण्टे पूर्व से सार्वजनिक सभा पर रहेगा प्रतिबंध

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 11-सीधी के लिए 19 अप्रैल 2024 को मतदान कराया जाएगा। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 के अंतर्गत मतदान की समाप्ति के लिए नियत किए गए समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घण्टे पूर्व से सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध रहेगा। यह अवधि 17 अप्रैल को शाम 6 बजे से प्रारंभ होकर 19 अप्रैल को शाम 6 बजे समाप्त होगी। इस अवधि में कोई भी व्यक्ति मतदान क्षेत्र में किसी निर्वाचन के लिए कोई भी सार्वजनिक सभा या जूलूस आयोजित नहीं करेगा। सिनेमा घर, केबल नेटवर्क, टेलीवीजन या अन्य साधनों द्वारा जनता के समक्ष किसी निर्वाचन संबंधी बात का प्रकाशन प्रचार-प्रसार नहीं करेगा। इस अवधि में नुक्कड़ नाटक, संगीत सभा या अन्य मनोरंजनात्मक कार्यक्रमों से भी चुनाव प्रचार अथवा मतदाता को प्रभावित करने का प्रयास पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। इसका उल्लंघन करने पर प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 19 अप्रैल से एक जून तक पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी

सीधी

लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के दौरान 19 अप्रैल की सुबह 7 बजे से एक जून की शाम 6रू30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्णतरू प्रतिबंध रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 28 मार्च 2024 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर भी पूर्णतरू प्रतिबंध रहेगा।

उल्लेखनीय है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान, जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार भी नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो वह ऐसी अवधि के कारावास से, जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

भाजपा सांसदों ने क्षेत्र की हमेशा उपेक्षा की

सीधी सिंगरौली सड़क दस साल में भी नहीं बन पाई

प्लेटफार्म का भूमिपूजन हुआ पर रेल पटरी छुहिया घाटी नहीं पहुंची: अजय सिंह

भाजपा सरकार गरीब, अनुसूचित जाति व आदिवासी विरोधी : कमलेश्वर पटेल

सीधी। पूर्व नेता प्रतिपक्ष चुरहट विधायक अजय सिंह ने कहा है कि पिछले तीन चुनाव से सीधी से भाजपा के सांसद चुने जाते रहे हैं लेकिन किसी ने भी यहाँ की आवाज दिल्ली तक नहीं पहुंचाई। सीधी हमेशा उपेक्षित ही रहा। कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश्वर पटेल के समर्थन में सिंगरौली क्षेत्र

में आयोजित सभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एनएच 39 सीधी सिंगरौली सड़क दस वर्षों में भी नहीं बन पाई है। इस मार्ग का तीन तीन बार भूमि पूजन किया गया। अख़बारों में फोटो छपवाकर खूब प्रचार किया गया, लेकिन सड़क की दुर्दशा आज भी वैसी ही है। सिंह ने कहा कि पहले 70- 71 में मुझे चुरहट से सिंगरौली मोटरसाइकिल से डेढ़ घंटा लगता था। आज सड़क खराब होने के कारण सरई होकर जाना पड़ता है। अभी भी सीधी सिंगरौली सड़क नही बनी।

सिंगरौली विधानसभा के जहथनी और तियरा में बोलते हुए अजयसिंह ने कहा कि दाऊ साहब ने ललितपुर सिगरौली का उद्घाटन इंदिरा गांधी जी से कराया था। यहां पर 10 साल से लगातार जो सांसद रही हैं वे सीधी में रेलवे प्लेटफार्म का भूमि पूजन तक कर चुकी है पर रेल की पटरी अभी भी छुहिया घाटी से इधर नही पहुंची है। सांसद जी ने अपने कार्यकाल मे रेल और रोड के कार्य को लेकर जब देखो तब केंद्र के मंत्री जी के साथ फोटो खिचवाकर अख़बार में जरूर छपवा दी लेकिन कोई काम नहीं हुआ। सांसद जी ने 10 साल तक फोटो खिचवाने और मीडिया में बयान देने के अलावा विकास का कोई कार्य नही किया।

उन्होंने सीधी लोकसभा के मतदाताओं से अपील की है कि इस बार कर्मठ और योग्य प्रत्याशी कमलेश्वर पटेल को अपना कीमती वोट देकर विजयी बनाएं ताकि इस क्षेत्र का रुका हुआ विकास फिर से हो सके।

पूर्व मंत्री लोकसभा प्रत्याशी कमलेश्वर पटेल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा भी मध्य प्रदेश को वर्ष 2023-24 के लिए कक्षा दसवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति की राशि 468 करोड़ रुपए की राशि नहीं दी, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि केंद्र की भाजपानीत मोदी सरकार और मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार गरीब,अनुसूचित जाति, आदिवासी विरोधी तथा वंचितों के नाम पर केवल वोट बटोरने की राजनीति का काम कर रही है।

संपादकीय

सबक ले पाकिस्तान

आजकल पाकिस्तान तनाव से गुजर रहा है और इसके लिए वहां पोषित आतंकवाद की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। एक आत्मघाती आतंकी ने विस्फोटकों से भरी कार से चीनी इंजीनियरों व श्रमिकों को ले जा रहे वाहन में टक्कर मार दी, जिसमें पांच चीनी नागरिकों सहित एक पाकिस्तानी ड्राइवर की मौत हो गई। चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान में यह तीसरा ऐसा हमला है, जब आतंकियों ने विकास कार्यों को निशाना बनाया है। अब तक नौ चीनी नागरिक आतंकी हमलों में अपनी जान गंवा चुके हैं। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले में हुई है, जहां पाकिस्तान की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना का काम चल रहा है। चीनी इंजीनियर दासू बांध की ओर ही जा रहे थे, जब उन पर हमला हुआ। इस हमले के बाद चीन ने बड़ी नाराजगी का इजहार किया है, जिससे पाकिस्तान सरकार की चिंता बहुत बढ़ गई है। चिंता का पता इसी से चलता है कि मंत्रियों के अलावा खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीनी दूतावास जाकर अधिकारियों को आश्वस्त किया है। अमूमन राजदूतों को प्रधानमंत्री कार्यालय या विदेश मंत्रालय बुलाकर संदेश देने की परंपरा रही है, पर यह विरल मौका है, जब प्रधानमंत्री को खुद दूतावास जाना पड़ा है। आतंकवाद दोधारी तलवार की तरह है। भारत ने बार-बार चेताया है कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पोसने से बाज आए, पर इतने जख्म खाकर भी वह समझने को तैयार नहीं है। आतंकवाद पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि चीन के लिए भी व्यवसाय बढ़ाने या खुद को कूटनीतिक रूप से मजबूत करने का एक माध्यम बन गया है। अगर चीन अपने नागरिकों की निर्मम मौतों से कुछ सीखे और पाकिस्तान को आर्तकियों के विरुद्ध कदम उठाने को मजबूर करे, तो इससे बेहतर कोई बात नहीं हो सकती। अगर पाकिस्तान सरकार वाकई इस हमले के दोषियों को पकड़ पाती है, तो इसका असर वहां आतंकवाद के नेटवर्क पर जरूर पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस्लामाबाद आतंकवाद को लेकर गंभीर हो जाए, क्योंकि अगर फिर से चीनी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है, तो पाकिस्तान को हर तरह से नुकसान के लिए तैयार रहना चाहिए। बीजिंग आज हर तरह से इस्लामाबाद का मददगार बना हुआ है, इसके बावजूद पाकिस्तानी धरती पर सक्रिय आतंकवादी यदि चीन के नागरिकों को ही निशाना बनाते हैं, तो यह पाकिस्तानी सत्ता-प्रतिष्ठान के लिए वाकई चिंता की बात होनी चाहिए। पाकिस्तानी तालिबान ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अपने हमले इधर बढ़ा दिए हैं। पिछले सप्ताह ही, ग्वादर बंदरगाह के बाहर चीनी नागरिकों को ले जा रहे एक काफिले पर गोलीबारी के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के आठ आतंकियों को मार डाला था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी पाकिस्तान से आजादी चाहती है। पाकिस्तान आजादी की इस पुरानी मांग को खारिज करता रहा है, पर उसे आतंकवाद के खिलाफ ईमानदारी से लड़ना चाहिए। भारत के साथ फिजूल दुश्मनी में पाकिस्तान ने काफी कुछ गंवाया है और अब जब वह आर्थिक रूप से बदहाल हो चुका है, तब उसके लिए विकास पर पूरी तरह से ध्यान देने के अलावा अन्य कोई रास्ता नहीं बचा है। अगर वह विकास की ओर ध्यान नहीं देगा, और उधार, अनुदान में फंसता चला जाएगा, तो उसके प्रधानमंत्री के लिए ऐसे ही दूतावासों में जाकर सफाई देने की दुखद नौबत आती रहेगी।

भारतीय महिलाओं का अमेरिका में अध्ययन, बदलती वैश्विक शैक्षिक गतिशीलता का एक सकारात्मक संकेतक

यह आंदोलन केवल व्यक्तिगत आकांक्षाओं का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि इस परिदृश्य में भारतीय महिलाओं की अद्वितीय स्थिति पर जोर देते हुए, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा की ओर एक वैश्विक बदलाव की प्रतिध्वनि है। सर्वेक्षण, स्नातक से लेकर आगे की शिक्षा चाहने वाले कामकाजी पेशेवरों तक, भारतीय महिलाओं के एक विविध समूह की आवाज़ को पकड़ता है, शैक्षणिक उत्कृष्टता, पेशेवर उन्नति और व्यक्तिगत विकास के लिए उनकी सामूहिक इच्छा का खुलासा करता है। मुख्य निष्कर्ष और आँकड़े सर्वेक्षण के खुलासे चौंकाने वाले हैं, जिसमें 65त्न भारतीय महिला उत्तरदाताओं ने अपने उच्च शिक्षा लक्ष्यों के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों के प्रति मजबूत झुकाव का संकेत दिया है। यह पिछले वर्षों की तुलना में काफी वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय महिलाओं के बीच शैक्षणिक गतिविधियों के लिए विदेश में उद्यम करने के बढ़ते आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का संकेत देता है।

विजय गर्ग

ऐसे युग में जहां शिक्षा की सीमाएं राष्ट्रीय सीमाओं से कहीं आगे तक फैली हुई हैं, एक हालिया सर्वेक्षण एक विशेष रूप से सम्मोहक प्रवृत्ति पर प्रकाश डालता है- संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए भारतीय महिलाओं के बीच बढ़ती महत्वाकांक्षा। यह आंदोलन केवल व्यक्तिगत आकांक्षाओं का प्रतिबिंब नहीं है, बल्कि इस परिदृश्य में भारतीय महिलाओं की अद्वितीय स्थिति पर जोर देते हुए, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा की ओर एक वैश्विक बदलाव की प्रतिध्वनि है। सर्वेक्षण, स्नातक से लेकर आगे की शिक्षा चाहने वाले कामकाजी पेशेवरों तक, भारतीय महिलाओं के एक विविध समूह की आवाज़ को पकड़ता है, शैक्षणिक उत्कृष्टता, पेशेवर उन्नति और व्यक्तिगत विकास के लिए उनकी सामूहिक इच्छा का खुलासा करता है। मुख्य निष्कर्ष और आँकड़े सर्वेक्षण के खुलासे चौंकाने वाले हैं, जिसमें 65त्न भारतीय महिला उत्तरदाताओं ने अपने उच्च शिक्षा लक्ष्यों के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों के प्रति मजबूत झुकाव का संकेत दिया है। यह पिछले वर्षों की तुलना में काफी वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय महिलाओं के बीच शैक्षणिक गतिविधियों के लिए विदेश में उद्यम करने के बढ़ते आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का संकेत देता है। एसटीईएम क्षेत्रों का आकर्षण कम नहीं हुआ है, 40त्न से अधिक उत्तरदाता इन विषयों की इच्छा रखते हैं, जो शिक्षा और करियर विकल्पों में पारंपरिक लिंग भूमिकाओं को तोड़ने पर जोर देते हैं। भारतीय महिलाओं के बीच हितों के व्यापक स्पेक्ट्रम को दर्शाते हुए, व्यवसाय और मानविकी बारीकी से अनुसरण करते हैं। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान पसंदीदा विश्वविद्यालयों की सूची में शीर्ष पर हैं, जो उनकी निर्णय लेने की प्रक्रिया में अकादमिक प्रतिष्ठा के महत्व को उजागर करते हैं। रुचि में वृद्धि के पीछे के कारक इस प्रवृत्ति को चलाने वाली प्रेरणाओं की गहराई से जांच करने पर कई प्रमुख कारक सामने आते हैं-शिक्षा की गुणवत्ताः अमेरिका अपने कठोर शैक्षणिक मानकों, नवीन अनुसंधान अवसरों और सीखने के लिए समग्र दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है। भारतीय महिलाएं इस शैक्षिक मॉडल की ओर तेजी से आकर्षित हो रही हैं, जो भारत में प्रचलित अधिक परीक्षा-केंद्रित प्रणाली के विपरीत है।

कैरियर के अवसरः वैश्विक नौकरी बाजार में, विशेष रूप से पारंपरिक रूप से पुरुषों के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में, फलने-फूलने की संभावना एक

महत्वपूर्ण आकर्षण है। अमेरिका, अपनी विविध और समावेशी कार्य संस्कृति के साथ, महिलाओं को उत्कृष्टता प्राप्त करने और नेतृत्व करने के असंख्य अवसर प्रदान करता है।

सांस्कृतिक अनुभवः एक नई सांस्कृतिक सेटिंग में खुद को डुबोने, विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के साथ बातचीत करने और वैश्विक परिप्रेक्ष्य विकसित करने का मौका अत्यधिक मूल्यवान है। कई भारतीय महिलाओं के लिए, अमेरिका में पढ़ाई करना उतना ही व्यक्तिगत विकास के बारे में है जितना शैक्षणिक उपलब्धि के बारे में है। सर्वेक्षण से प्राप्त व्यक्तिगत प्रशंसापत्र इन निष्कर्षों में गहराई जोड़ते हैं। एक प्रतिवादी ने कहा, अमेरिका न केवल अद्वितीय शैक्षणिक संसाधन प्रदान करता है बल्कि नवाचार, विविधता और स्वतंत्रता की संस्कृति भी प्रदान करता है। +एसटीईएम में एक महिला के रूप में, अमेरिका में शिक्षा और उद्योग दोनों में अवसर असीमित लगते हैं। यह केवल डिग्री प्राप्त करने के बारे में नहीं है, यह अपनी छाप छोड़ने के बारे में है। चुनौतियाँ और सहायता प्रणालियाँ जटिल प्रवेश प्रक्रिया से लेकर वित्तीय सहायता हासिल करने तक, विदेश में पढ़ाई की यात्रा चुनौतियों से भरी है। फिर भी, सर्वेक्षण पारिवारिक प्रोत्साहन से लेकर संस्थागत छात्रवृत्ति और परामर्श कार्यक्रमों तक समर्थन के एक मजबूत नेटवर्क पर प्रकाश डालता है, जो इन महिलाओं को सशक्त बनाने में समुदाय की भूमिका को रेखांकित करता है।

सर्वेक्षण के निष्कर्ष भारतीय के साथ वैश्विक शिक्षा के परिदृश्य में एक गतिशील बदलाव की तस्वीर पेश करते हैं। महिलाएं इस बदलाव में सबसे आगे हैं। अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करना उनकी अकादमिक उत्कृष्टता, व्यावसायिक सफलता और व्यक्तिगत विकास की आकांक्षाओं का प्रमाण है। यह प्रवृत्ति केवल संख्याओं के बारे में नहीं है, यह अनगिनत भारतीय महिलाओं की कहानियों के बारे में है जो बाधाओं को तोड़ रही हैं, रूढ़िवादिता को चुनौती दे रही हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। उनकी यात्रा हर जगह महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति और चुनौतियों के बावजूद अपने सपनों को आगे बढ़ाने के महत्व को उजागर करती है। जैसा कि हम इस आंदोलन के महत्व पर विचार करते हैं, यह स्पष्ट है कि शिक्षा के माध्यम से भारतीय महिलाओं का सशक्तिकरण एक अधिक समावेशी, न्यायसंगत और विविध वैश्विक समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस रास्ते पर विचार करने वाली भारतीय महिलाओं के लिए प्रोत्साहन स्पष्ट है कि अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों ही लाभ बहुत अधिक हैं। यह शुरू करने लायक यात्रा है, स्वीकार करने लायक चुनौती है और पूरा करने लायक सपना है। निष्कर्षतः भारतीय महिलाओं के बीच अमेरिका में अध्ययन करने की रुचि में वृद्धि वैश्विक शैक्षिक गतिशीलता में बदलाव और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा जगत के भविष्य को आकार देने में महिलाओं की भूमिका का एक सकारात्मक संकेतक है। जैसे ही ये महिलाएं अपनी शैक्षिक यात्रा शुरू करती हैं, वे न केवल वैश्विक शिक्षा की समृद्ध योजना में योगदान देती हैं, बल्कि एक अधिक सशक्त, शिक्षित और समावेशी दुनिया का मार्ग भी प्रशस्त करती हैं।

मप्र : अल्पसंख्यकों का शून्य होता प्रतिनिधित्व

डॉ. सुधीर सक्सेना

ध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी और सर्वप्रमुख शहर इंदौर की आबादी यूं तो मिश्रित है, किंतु वहां पारसी समुदाय की संख्या उंगलियों पर गिने जाने योग्य है। ऐसे में कौन यकीन करेगा कि आज से 40 से भी अधिक साल पहले सन् 1962 के मे जन्मना पारसी होमी दाजी ने इंदौर से लोकसभा के लिये विजय हासिल की थी।

होमी दाजी श्रमिक नेता थे। गोल्ड मेडल के साथ वकालत की सनद। पिता कपड़ा मिल में कॉटन सेलेक्टर थे। स्नेहलतागंज में रहते थे। होमी ओजस्वी वक्ता थे। मजदूरों के रहनुमा। इंदौर शहर ने सन् 1957 में उन्हें एमएलए चुना था। वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के लीडर थे। चुनाव बतौर निर्दलीय शेर छाप से लड़ा। कांग्रेस के राम सिंह भाई को मात दी। यह एक राष्ट्रीय प्रसंग था। देश के शीर्ष नेतृत्व ने उनकी केंद्र की। तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें कोलंबों में आयोजित वर्ल्ड पीस कांफ्रेंस में भारत का प्रतिनिधि बनाकर भेजा।

सन् 1972 के विधानसभा चुनाव में होमी की कीर्तिमान मतों से जीतकर एमएलए बने। दाजी को आज भी पुरानी पीढ़ी ससम्मान याद करती है, लेकिन यह परंपरा अब टूट चुकी है। पारसी तो क्या सियासी पार्टियां संसदीय चुनाव में मुस्लिम उम्मीदवार तक खड़ा करने से परहेज बरत रही हैं। ध्रुवीकृत मध्यप्रदेश में दोनों प्रमुख राष्ट्रीय दलों ने सन् 2008 के बाद से कोई भी मुस्लिम प्रत्याशी खड़ा नहीं किया।

लगभग साढ़े सात करोड़ की आबादी के मध्यप्रदेश में मुस्लिमों की जनसंख्या लगभग 6.6 फीसद है। ईसाई, बौद्ध और सिख आबादी दशमलव में है और तीनों समुदाय मिलकर करीब एक प्रतिशत का विन्यास रचते हैं। सांप्रदायिक आधार पर वर्तुल विभाजन के इस अपूर्व और आवेशित दौर में अल्पसंख्यक-प्रतिनिधित्व के नाम पर अतीत के पन्ने फड़फड़ाते हैं, अन्यथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री और हॉकी के सितारा खिलाड़ी असलम शेर खां तो यहां तक कहते हैं कि जब तक राजीव गांधी जीवित थे, कांग्रेस सेक्यूलर मार्ग पर चली, किंतु उनके जाने के बाद कांग्रेस भी इस राह से विचलित हो गयी।

पीवी नरसिंहा राव के प्रधानमंत्री काल में केंद्रीय मंत्री रहे असलम का जुमला 'मुसलमानों को बाबरी नहीं, बराबरी चाहिये' बड़ा चर्चित रहा था। आदिवासी नेता दिलीपसिंह भूरिया के साथ संसद में उनकी जोड़ी खूब सुर्खियों में रही थी। सतपुड़ा की उपत्यका में स्थित बैतूल में मुस्लिमों की आबादी विरल है और वह कोई निर्णयक समीकरण नहीं रचती, लेकिन असलम ने बैतूल से चार चुनाव लड़े। सन् 85, 89, 91 और 96 में वह कांग्रेस के उम्मीदवार थे। बैतूल को इस मान से मध्यप्रदेश के संसदीय क्षेत्रों में अलग खाने में वर्गीकृत किया जा सकता है कि बैतूल ने कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रत्याशियों को फिर-फिर चुनकर संसद में भेजा। सन् 81 में बैतूल ने गुफराने आजम को अपना सांसद चुना। और पहले के कालखंड में जाएं तो सन् 1967 और 71 के लोकसभा चुनाव में यहां से बतौर कांग्रेस प्रत्याशी एनकेपी साल्वे ने विजयश्री दर्ज की। साल्वे थे तो नागपुर के और ईसाई थे, लेकिन बैतूल का औदार्य कि उसने उन्हें दो बार वरा।

मप्र में एक और संसदीय क्षेत्र है सतना। बघेलखंड में स्थित सतना भी अपने उदार लोकतांत्रिक-चरित्र के लिए जाना जाता है। इसने गुलशेर अहमद और अजीज कुरैशी को चुनकर संसद में भेजा। बाद में ये दोनों क्रमशः हिमाचल और उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रहे। सिखों की बात करें तो सरदार सरताज सिंह इकलौते सिख है, जो होशंगाबाद से जीतकर संसद में पहुंचे और मंत्री बने। साल्वे के निर्वाचन के बाद ईसाइयों का शून्य प्रतिनिधित्व तब खंडित हुआ, जब सन् 90 के दशक में कांग्रेस ने भोपाल की सुश्री मेबेल रिबेलो को राज्यसभा में भेजा।

अल्पसंख्यक-प्रतिनिधित्व के मान से भोपाल का अतीत किंचित समृद्ध रहा है। सन् 57 और 62 के चुनाव में कांग्रेस ने यहां से मैमूना सुल्तान को टिकट दिया और वह चुनी गयीं। सन् 77 के ऐतिहासिक चुनाव में बतौर जनता उम्मीदवार आरिफ बेग जीते। इसके बाद यह परंपरा खंडित हो गयी और कुछ ही बरसों में भोपाल इस कदर भगवा रंग में रंग गया कि दिग्विजय सिंह जैसा नेता साध्वी प्रज्ञा से भारी मतों के अंतर से हारा। कांग्रेस ने यहां से मंसूर अली खां (नवाब पटौदी) और साजिद अली पर दांव लगाया, लेकिन बात बनी नहीं। अब यहां से किसी अल्पसंख्यक को प्रत्याशी बनाने की क्षीण आवाज भी नहीं उठती।

इस सारी गाथा के साथ एक रोचक क्षेपक यह भी जुड़ा हुआ है कि मध्यभारत की बहुचर्चित गुना-शिवपुरी सीट से आजाद हिन्द फौज फेम के कर्नल ढिल्लन ने सन् 1977 में भाग्य आजमाया। उन्होंने युवा माधवराव सिंधिया को कड़ी चुनौती दी, लेकिन करीब 77 हजार मतों से मात खा गये। बताते हैं कि कर्नल ढिल्लन को एकदा ट्रेन में शिवपुरी के बड़े कारोबारी शीतल प्रकाश जैन के पिताश्री घासीराम जैनचंद्र कवि मिल गये थे और उनके आग्रह पर वे शिवपुरी के उपांत में आकर बस गये। पत्रकार प्रमोद भार्गव के मुताबिक मुस्लिम जागीरदार हाफिज निसार ने उन्हें एक रुपया प्रति बीघा के प्रतीक मूल्य पर करीब सौ बीघा जमीन प्रदान की थी। उनके बेटे के स्वामित्व का फार्म हाउस आज भी शिवपुरी में है। ऐसे ही केपीएस गिल का फार्म हाउस भी शिवपुरी में है। बहरहाल, मध्यप्रदेश के अल्पसंख्यकों के लिए डेढ़ दशक से टिकटों का टोटा है। असलम मियां ने सन् 2008 में सागर से अंतिम चुनाव लड़ा था और हारे। जहां तक दावेदारी का प्रश्न है, बीजेपी को उससे कोई सरोकार नहीं और कांग्रेस भी उनकी अर्जियां खारिज कर रही है। फलतः अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व शून्य हो चला है।

वर्ग पहेली 5338

संकेतः बाएं से दाएं
1. इस राज्य का प्राचीन नाम प्राग ज्योतिषपुर है (3)
3. सात स्वरों मे से पांचवा स्वर जो कोकिल के स्वर के अनुरूप माना जाता है (3)
5. माफी, दक्ष की एक पुत्री (2)
6. संतोष, राहत, चैन, मसर्रत (2)
7. कतला, कमानी, टहनी (2)
9. पुरोहित कर्म, पुरोधा, पौरोहित्य (4)
11. बेचने वाला, विक्रम करने वाला (3)
12. विश्वकर्मा के सुत नल द्वारा बनाया गया रामेश्वर के निकट समुद्र पर बंधा पुल (4)
14. ताल की एक सूक्ष्म इकाई (2)
15. अग्नि को यह भी कहते है (2)
16. ताल की एक प्राचीन इकाई (2)
17. गोदनशीं, गोद लिया हुआ (3)
18. जलन, ईर्ष्या (2)
19. एक दिवंगत हास्य एवं चरित्र अभिनेता जिनका निधन 13 फरवरी 1987 को हुआ था (3)
21. कोमल, नाजुक, सुंदरी (4)

ऊपर से नीचे
1. लंकापति रावण का पुत्र जिसका वध लंका उजाड़ते समय हनुमान ने किया था (6)
2. जन समुदाय, सर्वजन, जनसमूह (3)
3. डैना, पर, पक्ष (2)
4. क्रांति ज्वाला, लकड़ी के सिरे पर कपड़ा लपेटकर उसमें आग लगाई जाती है (3)
6. पहले रेडियो उद्घोषक फिर अभिनेता और अंत में राजनीति के साथ इस दुनिया को अलविदा कहा (5)
8. पश्चिमी निमाड़ का एक जिला (4)
10. प्रतिष्ठा, भारमाप, ख्याति (2)
11. ब्रिज, पुल (2)
13. सेवा करने वाला (3)
16. बहरीन की राजधानी (3)
17. अग्नि उद्दीप्त होना, दग्ध होना, धधकना (3)
19. गाने की तर्ज, संपूर्ण जाति का एक राग (2)
20. केशलता, बालों का वह गुच्छा जो गाल पर लटके (2)

वर्ग पहेली 5337 का हल

अ	मे	रि	का			ड	ल
शो	ला		बु	डा	पे	स्ट	
क		श	ल		ज	र	ब
कु	न	बा		सा			र
मा	न	ना			फ	र	सा
र		आ	ज	त	क		त
	य	ज	मा	न		र	
व	ह	भी		ना	ग	ब	ल

सूर्य के समान ही देदीप्यमान अष्टभुजा धारी माता कुष्मांडा

संजीव ठाकुर

मां कुष्मांडा देवी का अवतार, मां दुर्गा के नौ रूपों में से एक है जिनकी पूजा नवरात्र के चौथे दिन की जाती है। मां दुर्गा के इस अवतार का नाम, तीन शब्दों से मिलकर बना है- 'कु' यानी छोटा सा, 'उस्मा' यानी ऊर्जा और 'अंडा' यानी एक गोला। अर्थात, मां कुष्मांडा के नाम का पूरा मतलब है- ऊर्जा का एक छोटा सा पवित्र गोला। कहा जाता है, कि जब सृष्टि में चारों ओर अंधकार फैला था, तब माँ दुर्गा अपने इसी स्वरूप में प्रकट हुई थीं। अपनी मनमोहक मुस्कान से माँ दुर्गा ने चारों तरफ प्रकाश उत्पन्न कर ब्रह्माण्ड की रचना की थी। इस कारण, यह आदि स्वरूपा या आदिशक्ति के नाम से भी जानी जाती हैं। मां कुष्मांडा को ब्रह्मांड की पहली देवी कहा गया है, जो आंतरिक शक्ति का एक रूप हैं।

मां कुष्मांडा की आठ भुजाएं हैं, जो आठों दिशाओं को दर्शाती हैं। इसी कारण, उन्हें अष्ट भुजाओं वाली भी कहा जाता है। मां के सात हाथों में चक्र, गदा, धनुष, कमंडल, कमल पुष्प, कलश और बांध क्रमशः सुशोभित रहते हैं और उनके आठवें हाथ में, सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जपमाला विभूषित है।

माना जाता है, कि जब सृष्टि की कोई रचना नहीं हुई थी, तब एक छोटा सा ऊर्जा का गोला उत्पन्न हुआ और उस गोले ने आठों दिशाओं में रोशनी फैला दी। देखते ही देखते, उस गोले ने एक नारी का रूप ले लिया। वह नारी और कोई नहीं, बल्कि माता कुष्मांडा थीं। इस प्रकार, उन्होंने सृष्टि की रचना की। माता कुष्मांडा के नाम में ही सृष्टि की रचना का भाव छुपा है। सृष्टि की रचना कर माता कुष्मांडा ने 3 देवियों को जन्म दिया और अन्य देवताओं की रचना की। उन्होंने अपने त्रिनेत्र से तीनों देवियों की सर्जना की। उन्होंने अपने बाएं नेत्र से महाकाली देवी को उत्पन्न किया। दाएं नेत्र से मां सरस्वती देवी को उत्पन्न किया तो वहीं अपने मस्तक पर केंद्रित आंख से महालक्ष्मी देवी का निर्माण किया।

तत्पश्चात, उन्होंने तीनों देवियों से एक नर और एक नारी को प्रजनित कराया। उन्होंने महाकाली देवी से उत्पन्न हुए पुरुष को भगवान शिव और महिला को माता सरस्वती का नाम दिया तदोपरांत, उन्होंने जीवनसाथी के रूप में ब्रह्मदेव को माता सरस्वती, भगवान शिव को मां शक्ति और भगवान विष्णु को लक्ष्मी माता प्रदान किया। इसके बाद, देवी कुष्मांडा सूर्य के मूल में रहने लगीं 7 अर्थात, मां कुष्मांडा एकमात्र ऐसी देवी हैं, जो सूर्य के मूल में निवास करती हैं। उनकी ऊर्जा, कांति और प्रभा भी सूर्य के समान ही देदीप्यमान है। सूर्य लोक में रहने की क्षमता केवल इन्हीं देवी में है। वहां, भगवान सूर्य की शक्ति का स्रोत भी है। सूर्य के केंद्र में निवास करते हुए वे सारे सौर्य मंडल को नियंत्रित करती हैं। मां कुष्मांडा की पूजा करने से, सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है और सभी कष्ट मिट जाते हैं। मां कुष्मांडा आध्यात्मिक साधना में अनाहत चक्र की प्रतिनिधि मानी जाती हैं।

माता कुष्मांडा को प्रसन्न करने के लिए उनके मंत्र का जाप भी अनिवार्य माना गया है, जो कुछ इस प्रकार है- ऊं देवी कूष्माण्डायै नमः अर्थात, ओमकार स्वरूप वाली, अमृत से परिपूर्ण कलश को धारण करने वाली और कमल पुष्प से युक्त तेजोमय मां कूष्मांडा के चरणों में हम सभी नमन करते हैं।

विशेष मां दुर्गा के कुष्मांडा अवतार से हमें यह सीख मिलती है, कि एक नारी भले ही शांत, सौम्य और कोमल प्रतीत होती है, मगर उस नारी में इतनी शक्ति होती है, कि वह ना सिर्फ एक नए जीवन को जन्म दे सकती है, बल्कि अगर वह चाहे, तो पूरी सृष्टि की रचयिता भी हो सकती है। इस पुरुष प्रधान समाज में नारी शक्ति का महत्व समझना बहुत आवश्यक है और मां कुष्मांडा नारी शक्ति का सबसे पहला और भव्य उदाहरण हैं।

आज का राशिफल

मेष

आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

वृषभ

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी।

मिथुन

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे।

कर्क

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

सिंह

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा।

कन्या

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

तुला

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा।

वृश्चिक

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

धनु

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

मकर

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

कुंभ

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी।

मीन

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बहुजन समाज को अपने बीच छिपे बहरूपियों से सावधान रहना होगा : आकाश आनंद

मथुरा, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने बहुजन समाज को अपने बीच छिपे बहरूपियों से सावधान रहने की सलाह दी है। बसपा मुखिया मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद गुरुवार को मथुरा पहुंचे। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज को अपने ही बीच छिपे बहरूपियों से सावधान रहना होगा। ये आपके दुश्मन हैं, लेकिन, आप पर सीधा वार नहीं करेंगे। ये बहुत समझदार हैं, जो आपके बीच में रहते हुए बहनजी का विरोध करते हैं और दूसरी पार्टी के नेताओं की प्रशंसा करते हैं, ऐसे बहरूपियों को पहचानने की जरुरत है। ऐसे लोग कहेंगे कि बहनजी तो उम्र में बढ़ चुकी हैं, अपने लोगों से दूर हो गई हैं। साथ ही विपक्षी नेताओं और पार्टियों को आपका शुभचिंतक बताएंगे। आकाश आनंद ने कहा कि जो बहनजी के खिलाफ बोलता है, वही इस मूवमेंट का सबसे बड़ा विरोधी है। जो बहनजी के खिलाफ है, वह कांशीराम और डॉ. अंबेडकर, बसपा और संविधान के खिलाफ है। ये बहरूपिए कभी कार्यकर्ता बन जाएंगे, कभी अधिकारी तो कभी प्रत्याशी बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षा, रोजगार और मंहगाई के मुद्दे पर कुछ नहीं किया, केवल आपके हाथ में कटोरा थमाया है। इस बार वोट के नाम पर जनता भी उनको कटोरा ही थमाए। आकाश आनंद ने कांग्रेस पर बहुजन समाज पर अत्याचार करने का आरोप लगाया तो सपा को टोपीबाज बताया।

चुनाव आयोग ने कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं के लिए मतदान प्रक्रिया में संशोधन किया

जम्मू, एजेंसी। चुनाव आयोग ने गुरुवार को कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं के विभिन्न संगठनों से फॉर्म-एम दाखिल करने में आ रही कठिनाइयों के बारे में ज्ञापन मिलने के बाद प्रवासी मतदाताओं के लिए मतदान प्रक्रिया में संशोधन किया है। चुनाव आयोग द्वारा गुरुवार को जारी एक आदेश में कहा गया है : सभी 22 मतदान केंद्रों (जम्मू में 21 और उधमपुर में 1) को शिविरों/क्षेत्रों में मैप किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर क्षेत्र में कम से कम एक विशेष मतदान केंद्र हो। आदेश में कहा गया है, यदि प्रत्येक क्षेत्र में कई मतदान केंद्र हैं, तो जोनल अधिकारी मतदाताओं के प्रत्येक समूह के लिए दूरी/पहुंच की आसानी को ध्यान में रखते हुए ऐसे प्रत्येक मतदान केंद्र का इंट्रा-जोनल क्षेत्राधिकार निर्धारित करेंगे।आदेश में आगे उल्लेख किया गया है : फॉर्म-एम के साथ संलग्न प्रमाणपत्र को सत्यापित करने के लिए राजपत्रित अधिकारी की तलाश की परेशानी दूर करने के लिए इन फॉर्मों का स्व-सत्यापन पर्याप्त हो सकता है।हालांकि, विशेष मतदान केंद्र पर मतदाताओं को अपनी पहचान के लिए ईपीआईसी या आयोग द्वारा निर्धारित कोई वैकल्पिक दस्तावेज पेश करना जरूरी होगा।चुनाव आयोग के आदेश में कहा गया है, 22-3-2024 को जारी योजना के अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

चुनाव से पहले भिड़ गए थरूर और चंद्रशेखर, एक-दूसरे को भेजा नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने चुनाव से पहले एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तेज कर दिए हैं। पहले तो भाजपा नेता ने कांग्रेस लीडर के खिलाफ मानहानि नोटिस भेजा, जिसके जवाब में थरूर ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर या अनजाने में मंत्री के खिलाफ गलत या दुर्भावनापूर्ण आरोप नहीं लगाया है। साथ ही उन्होंने चंद्रशेखर से अपना बयान वापस लेने और माफी मांगने की मांग रखी। इतना ही नहीं, उन्होंने मंत्री को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दे डाली। थरूर के वकील की ओर से जारी बयान में कहा गया, मेरा क्लाइंट किसी भी अपमान के लिए जिम्मेदार नहीं है क्योंकि उन्होंने ऐसा कुछ कहा ही नहीं है। शशि थरूर के बयान में कहा गया, आपका क्लाइंट विवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। ऐसा करके वह लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। वह मेरे मुवक्किल की लोकप्रियता को नुकसान पहुंचाने की बेताब कोशिश कर रहे हैं। झूठे विवादों को जन्म दिया जा रहा है। इस तरह के दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाने के लिए केंद्रीय मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके आगे कहा गया, अगर आपका मुवक्किल इस नोटिस की मांगों को नजरअंदाज करता है। वह मेरे क्लाइंट के खिलाफ झूठे और फर्जी आरोप लगाकर उसे बदनाम करने की कोशिशें जारी रखता है, तो हम आपके खिलाफ दंडनीय अपराध को लेकर मुकदमा चलाने के लिए बाध्य होंगे। मेरे मुवक्किल के खिलाफ लगाए गए निराधार और दुर्भावनापूर्ण आरोपों के कारण नुकसान हो सकता है। बीते गुरुवार को राजीव चंद्रशेखर ने शशि थरूर को कानूनी नोटिस भेजा था, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता पर हाल में टीवी चैनल पर उनके खिलाफ अपमानजनक बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने प्रमुख मतदाताओं और पादरियों जैसे प्रभावशाली लोगों को भाजपा उम्मीदवार की ओर से रिश्वत दिए जाने की गलत सूचना फैलाई।

बड़े-बड़ों को चुनाव हरा चुके हैं सहारनपुर के मतदाता

सहारनपुर, एजेंसी। यूपी की मुस्लिम बहुल सहारनपुर सीट से अब तक सबसे ज्यादा छह बार कांग्रेस पार्टी चुनाव जीत चुकी है लेकिन 1984 के बाद से उसने जीत का स्वाद नहीं चखा है.लकड़ी की नक्काशी के लिए मशहूर सहारनपुर लोकसभा सीट उत्तर प्रदेश की राजनीति में काफी अहमियत रखती है. कभी कांग्रेस का गढ़ रही इस सीट से 1984 के बाद से अब तक कांग्रेस का कोई उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत सका. 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन से कांग्रेस उम्मीदवार इमरान मसूद चुनाव लड़ रहे हैं जिनकी लड़ाई बहुजन समाज पार्टी के माजिद अली और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राघव लखनपाल से है. इसी सहारनपुर में एक कस्बा और विधानसभा क्षेत्र देवबंद भी है जहां विश्व प्रसिद्ध मदरसा दारूल उलूम है. दारुल उलूम वैसे तो इस्लामिक शिक्षण संस्थान के लिए जाना जाता है लेकिन राजनीति और राजनीतिक लोगों का भी यहां से पुराना नाता रहा है. कभी कई राजनीतिक दलों के दिग्गज नेता दारुल उलूम देवबंद में आकर राजनीतिक जमीन तलाशते थे और कई बार बड़े नेताओं ने चुनाव से पहले उलेमाओं की मदद मांगी लेकिन अब स्थिति यह हो गई है कि दारुल उलूम में नेताओं का प्रवेश निषेध कर दिया गया है. राजनीति से परहेज दारुल उलूम से जुड़े अशरफ उस्मानी बताते हैं कि चूंकि यह एक धार्मिक और शैक्षणिक संस्था है इसलिए इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है. उनके मुताबिक, संस्था के जिम्मेदार लोगों ने इसी वजह से नेताओं

का प्रवेश बंद कर रखा है. हालांकि कुछ लोगों के मुताबिक, ऐसा इसलिए है कि कुछ लोग यहां के उलेमाओं के साथ तस्वीरों का गलत इस्तेमाल करने लगे थे इसीलिए नेताओं का आना बंद करना पड़ा. दारुल उलूम मदरसे से पढ़ाई कर चुके देवबंद कस्बे के रहने वाले मोहम्मद यासीन बताते हैं, हुआ यह कि 2009 में एक पार्टी के कोई बड़े नेता यहां आए और उन्होंने उस समय के प्रमुख मौलाना के साथ तस्वीर खिंचाई. उस तस्वीर का इस्तेमाल उन्होंने यह कहते हुए चुनाव में किया कि उन्हें देवबंद और वहां के मौलाना का आशीर्वाद हासिल है. मतलब, कुछ इस तरह कि जैसे दारुल उलूम चुनाव में उनका समर्थन कर रहा है. बस उसके बाद ही नेताओं के आने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और हर चुनाव से पहले एक बयान भी जारी किया जाता है कि यहां राजनीति के लिए कोई जगह नहीं.×हस्त्रह्हश्; हालांकि उससे पहले यहां राजनीति के कई दिग्गज पहुंचते रहे हैं. 1980 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी देवबंद के शताब्दी समारोह में पहुंची थीं.

2006 में राहुल गांधी आए थे, 2009 में मुलायम सिंह यादव, 2011 में अखिलेश यादव और 2019 में आरएसएस के घटक दल मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक इंद्रेश कुमार भी आ चुके हैं. इनके अलावा मौलाना अबुल कलाम आजाद, फारुख अब्दुल्ला के पिता शेख अब्दुल्ला और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी यहां का दौरा कर चुके हैं. दारुल उलूम का असर दारुल उलूम देवबंद की स्थापना 30 मई 1866 को हुई थी. इसकी स्थापना हाजी सैयद मोहम्मद आबिद हुसैन, फजलुर्रहमान उस्मानी और मौलाना कासिम नानौतवी द्वारा की गई थी. मौजूदा समय में यहां देश-विदेश के करीब साढ़े चार हजार छात्र इस्लामी तालीम हासिल करते हैं. मुस्लिम समाज दारुल उलूम के साथ किस कदर भावनात्मक तौर पर जुड़ा है, उसे इसी बात से समझा जा सकता है कि दारुल उलूम जब कोई फतवा जारी करता है तो उसे आमतौर पर हर मुस्लिम मानता है. साल 2011 के बाद से दारुल उलूम ने राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति देना भले ही बंद कर दिया हो लेकिन यहां से जुड़े जमीयत उलेमा-ए-हिंद का राजनीति से गहरा नाता रहा है. जमीयत के महासचिव मौलाना महमूद मदनी के पिता मौलाना असद मदनी कांग्रेस पार्टी से तीन बार राज्यसभा सांसद रहे जबकि मौलाना महमूद मदनी भी समाजवादी पार्टी से एक बार राज्यसभा पहुंच चुके हैं. सहारनपुर लोकसभा सीट सहारनपुर लोकसभा सीट की बात करें तो यहां करीब 18 लाख मतदाता हैं. फिलहाल यहां 10 उम्मीदवार मैदान में हैं लेकिन मुख्य मुकाबला बीजेपी, कांग्रेस और बीएसपी के बीच ही है. गंगा-यमुना के बीच बसे यूपी के इस शहर की सीमाएं हरियाणा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से लगती हैं. साल 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव की बात करें तो यहां से बीएसपी उम्मीदवार हाजी फजुर्लरहमान ने जीत दर्ज की थी. उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार राघव लखनपाल को बीस हजार वोटों से हराया था. सहारनपुर लोकसभा के तहत पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं. साल 2022 में हुए विधानसभा चुनावों में तीन सीटों पर बीजेपी और दो सीटों पर समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की थी. बीजेपी ने सहारनपुर नगर, देवबंद और रामपुर विधानसभा सीटें जीती थीं जबकि सहारनपुर देहात और बेहट विधानसभा सीटें समाजवादी पार्टी के खाते में गई थीं.

लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी का गठबंधन है इसलिए कांग्रेस उम्मीदवार की स्थिति मजबूत मानी जा रही है. सहारनपुर लोकसभा सीट के इतिहास की बात करें तो 1952 से लेकर 1971 तक यहां कांग्रेस का ही दबदबा रहा है. इस सीट से दो बार अजित प्रसाद और दो बार सुंदरलाल सांसद चुने गए. 1977 में भारतीय लोकदल के उम्मीदवार रशीद मसूद ने इस सिलसिले को तोड़ा और 1980 में भी उन्होंने जीत दर्ज की लेकिन 1984 में कांग्रेस ने फिर वापसी की और जीत दर्ज की. लेकिन उसके बाद यहां सपा, बीएसपी और बीजेपी सभी पार्टियों के उम्मीदवार जीतते रहे, पर कांग्रेस का खाता नहीं खुल सका।

बागी, साथी और स्कीम; सबकी खबर ले रही भाजपा, कैसे 370 सीटों का मिल रहा हर फीडबैक

नईदिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के ऐलान से पहले ही 370 सीटों पर भाजपा की जीत का टारगेट तय किया था। यही नहीं उनके ऐलान के बाद भाजपा इसके लिए पूरी ताकत भी झोंक दी है। यूपी, बिहार, ओडिशा, बंगाल, महाराष्ट्र से लेकर दक्षिण भारत तक भाजपा ने कुल 370 सीटों को टारगेट कर लिया है, जिन पर हर हाल में विजय पाने के लिए मेहनत की जा रही है। यही नहीं भाजपा ने इन सभी सीटों के हर समीकरण पर नजर बना रखी है। इसके लिए कॉल सेंटर बना दिए गए हैं। कुल मिलाकर भाजपा ने 370 सीटों पर कॉलसेंटर्स बना दिए हैं। ये कॉलसेंटर मुख्य तौर पर तीन चीजों पर फोकस कर रहे हैं, भाजपा के साथ कौन है, बागी कौन हैं और किन स्कीमों पर जनता का क्या रुख है। इसके अलावा लोगों तक स्कीमों का प्रचार भी पहुंचाया जा रहा है।

इन कॉलसेंटर्स के जरिए यह नजर रखी जा रही है कि किस सीट पर कौन नेता बागी हो रहे हैं। या फिर किसी समुदाय विशेष की कोई नाराजगी तो नहीं है। टिकट बंटवारे के चलते स्थानीय नेताओं में यदि गुस्सा है तो उसका फीडबैक भी हाईकमान तक पहुंच रहा है। यही नहीं उसके अनुसार ही पार्टी नेतृत्व की ओर से रैलियों और रोडशो के आयोजन हो रहे हैं। यूपी की ही बात करें तो भाजपा ने गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक सभी सीटों पर जीत का लक्ष्य तय किया है। इनमें से कुछ सीटें ऐसी हैं, जहां मौजूदा सांसदों के टिकट काट दिए गए, जबकि वह चर्चित नेता थे।

ऐसे में इन सीटों पर स्थानीय लोगों की नाराजगी भी दिखी है। इसका फीडबैक भी सीधे पीएम नरेंद्र मोदी, पार्टी चीफ जेपी नड्डा जैसे नेताओं तक पहुंचा है। यही वजह है कि खुद पीएम नरेंद्र मोदी गाजियाबाद जैसी सुरक्षित कही जाने वाली सीट पर रोड शो करने पहुंचे। इसके अलावा पीलीभीत में भी वह रैली के लिए पहुंचे। यहां 2014 और 2019 में भाजपा ने पीएम मोदी का कोई कार्यक्रम नहीं लिया था। इस तरह हाईकमान तक सीधे फीडबैक पहुंच रहा है।

बीजेपी के सिंबल पर नहीं लड़ूंगा चुनाव, एनसीपी की घड़ी ही चाहिए: छगन भुजबल

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर बड़ा बयान दिया है। एनसीपी (अजित पवार) नेता भुजबल ने कहा कि वह भाजपा के चुनाव चिह्न कमल पर इलेक्शन नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा, अगर नासिक लोकसभा सीट से मुझे टिकट मिला तो मैं अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न घड़ी पर ताल ठोकूंगा। भुजबल ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में यह बताया गया कि मैं बीजेपी के सिंबल पर चुनाव लड़ूंगा। यह बात पूरी तरह से गलत है। हमारी पार्टी के मुखिया और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा है कि बीजेपी हाईकमान मुझे नासिक लोकसभा सीट से खड़ा करना चाहता है।

छगन भुजबल का यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब नासिक सीट को लेकर महायुति सरकार में खींचतान दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट वाली शिवसेना और अजित पवार वाली एनसीपी की ओर से इस सीट पर पर दावा किया जा रहा है। इसे लेकर पार्टी के एक सीनियर नेता ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नासिक सीट को लेकर गठबंधन दलों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है, मगर अभी तक इस पर सहमति नहीं बन पाई है। शिवसेना का दावा है कि वो नासिक सीट को 2014 से ही जीतती आ रही है, इसलिए यहां उसका पलड़ा भारी है।

26 साल के रविंद्र सिंह भाटी की क्यों इतनी चर्चा, भाजपा के मिशन 25 के लिए भी खतरा !

बाड़मेर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में राजस्थान की 25 सीटों पर एक से बढ़कर एक दिग्गज नेता चुनाव लड़ रहे हैं। सभी प्रचार में पूरा दमखम लगा चुके हैं। इस बीच 26 साल के एक युवा नेता की खूब चर्चा हो रही है। निर्दलीय प्रत्याशी के नामांकन में उमड़ी भीड़ की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लगातार दो बार राजस्थान में क्लीन स्वीप कर चुकी भाजपा के मिशन 25 के लिए भी उन्हें खतरा बताया जा रहा है। भाटी पहले लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज कर पाएंगे या नहीं यह तो 4 जून को मतगणना के बाद तय होगा, लेकिन छोटे से राजनीतिक करियर में जिस तरह उन्हें लोकप्रियता हासिल की है उसकी चर्चा खूब हो रही है।

रविंद्र सिंह भाटी बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक हैं।

अब उन्होंने बाड़मेर संसदीय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन कर दिया है। भाटी ने मोदी सरकार के मंत्री कैलाश चौधरी से मुकाबले के लिए मैदान में ताल ठोक दिया है। भाटी की सभाओं में खूब भीड़ उमड़ रही है। नामांकन के दौरान तो इतने लोग जुटे कि तस्वीरें वायरल हो गईं। उन्हें बाड़मेर सीट पर अहम दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है। पीएम मोदी के नाम और काम के अलावा राम लहर पर सवार भाजपा राजस्थान में सभी 25 सीटों पर जीत के दावे कर रही है। लेकिन बाड़मेर में पार्टी की धड़कने जरूर बढ़ गई हैं। इसकी एक वजह विधानसभा चुनाव के दौरान भाटी का प्रदर्शन है।

भाजपा से बगावत करके 2023 का विधानसभा चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ने वाले भाटी ने कई दिग्गज नेताओं को पछाड़ते हुए जीत दर्ज की थी। भाजपा ने जब इस सीट से स्वरूप सिंह खारा को उम्मीदवार बनाया तो भाटी बागी होकर चुनाव मैदान में उतर गए। चुनाव परिणाम आए तो सभी चौंक गए। भाटी ने भाजपा के अलावा कांग्रेस के दिग्गज नेता अमीन खान, कांग्रेस के बागी नेता फतेह खान और पूर्व विधायक जालम सिंह रावत जैसे नेताओं को हरा दिया। उन्होंने करीब 4 हजार वोटों से जीत दर्ज की थी।

2019 में पहली बार लड़े चुनाव और रच दिया इतिहास : रविंद्र भाटी ने महज 5 साल पहले ही राजनीति में कदम रखा। आरएसएस के छात्र संगठन एबीवीपी के सदस्य रहे भाटी जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। 2019 में वह छात्र संघ अध्यक्ष के पद पर चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन एबीवीपी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। भाटी बागी होकर निर्दलीय लड़े और जीत हासिल की। 57 साल के इतिहास में पहली बार इस यूनिवर्सिटी में किसी निर्दलीय प्रत्याशी ने छात्रसंघ अध्यक्ष का पद हासिल किया। बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए थे।

आने वाले दिनों में भाजपा दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने वाली है- आतिशी

नईदिल्ली, एजेंसी। अरविंद केजरीवाल के कथित शराब घोटाले में जेल जाने के बाद सबसे बड़ी मुश्किलों से घिरी आम आदमी पार्टी ने बड़ा दावा किया है। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को दावा किया कि दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगने जा रहा है। केजरीवाल सरकार की मंत्री और पार्टी की बड़ी नेता आतिशी ने कहा है कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों से यह जानकारी मिली है। आतिशी ने 5 ऐसे संकेत भी गिनाए जिन्हें वह राष्ट्रपति शासन के लक्षण के रूप में देख रही हैं। उन्होंने कहा है कि दिल्ली की सरकार को गिराने के लिए यह दिखाने का प्रयास किया जा रहा है कि संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है। शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिल्ली सरकार की ताकतवर मंत्री आतिशी ने दावा किया कि केजरीवाल सरकार को गिराने और राष्ट्रपति शासन लगाने की की बहुत बड़ी साजिश हो रही है। उन्होंने कहा, दिल्ली की चुनी हुई सरकार के खिलाफ एक बहुत बड़ा राजनीतिक साजिश रचा जा रहा है। हमें विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि आने वाले कुछ दिनों में केंद्र सरकार दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने वाली है। इसके कई संकेत पिछले कुछ दिनों

से दिख रहे हैं। दिल्ली में अफसरों की पोस्टिंग नहीं की ज रही है। दूसरी बात दिल्ली के अंदर कई विभाग में पद खाली है, लेकिन वहां पर किसी अफसर की तैनाती नहीं की जा रही है। तीसरी बात, एलजी साहब पिछले एक सप्ताह से गृहमंत्रालय को बिना किसी कारण बार-बार चिट्ठी लिख रहे हैं। कहते हैं कि मंत्री मीटिंग में नहीं आ रहे हैं। चौथा, दिल्ली सरकार में तैनात अफसरों ने आदर्श आचार संहिता का हवाला देकर बैठकों में शामिल होने बंद कर दिया है। आखिरी चीज, एक 20 साल पुराने केस का बहाना बनाकर दिल्ली के मुख्यमंत्री के निजी सचिव को बर्खास्त कर दिया गया।

भाजपा दिल्ली में चुनाव नहीं जीत सकती है, इसलिए साजिश के तहत केजरीवाल की सरकार गिराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने केजरीवाल सरकार की लोकप्रियता और कामकाज का हवाला देते हुए कहा ,केजरीवाल को झूठे आरोपों के तहत केंद्र सरकार ने गिरफ्तार किया है। क्योंकि भाजपा यह जानती है कि दिल्ली के लोग केजरीवाल को पसंद करते हैं और आम आदमी पार्टी को ही वोट देते हैं। भाजपा को पता चल गया है कि दिल्ली में चुनाव नहीं जीत सकते हैं, इसलिए चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के कामकाज की वजह से उनकी सरकार गिराने की साजिश रची जा रही है। आतिशी ने आगे कहा, दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाना गैर कानूनी होगा, गैर संवैधानिक होगा। दिल्ली की जनता के जनादेश के खिलाफ होगा। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को स्पष्ट जनादेश दिया है। 17 फरवरी को कॉन्फिडेंस मोशन लाकर अरविंद केजरीवाल सरकार ने अपना बहुमत साबित किया है। यह साफ है कि संविधान के तहत किसी सरकार को बहुमत होते हुए राष्ट्रपति शासन नहीं लगाया जा सकता है। 2016 नें जब उत्तराषंड में राष्ट्रपति शासन लगाया गया तो हाई कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया था।

इलाहाबाद में 28 तो फूलपुर में 32 साल बाद चुनी गई थीं महिला सांसद

इलाहाबाद, एजेंसी। 2019 में सत्रहवीं लोकसभा के गठन के लिए हुआ आम चुनाव प्रयागराज के लिए बहुत खास रहा। इसलिए क्योंकि यह पहला मौका था जब जिले की दोनों संसदीय सीटों से महिला सांसद निर्वाचित हुई थीं। इस चुनाव की एक और खास बात यह रही कि सांसद निर्वाचित हुई दोनों महिलाएं अपनी-अपनी सीट पर सर्वाधिक मतों के अंतर से मिली जीत के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इलाहाबाद में सर्वाधिक मतों के अंतर से जीत के मामले में अमिताभ बच्चन (1984) के बाद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी तो फूलपुर में केशव प्रसाद मौर्य (2014) के बाद केशरी देवी पटेल का नाम है। इस लिहाज से यह आम चुनाव आगे भी याद किया जाएगा। भाजपा ने 2019 के चुनाव में पहली बार जिले में महिला प्रत्याशियों को मौका दिया था, इससे पूर्व के चुनाव में पार्टी ने कभी महिला को प्रत्याशी नहीं बनाया था। पार्टी का प्रयोग सफल रहा। सांसद चुनीं गईं दोनों महिलाओं ने इससे पूर्व के चुनावों में भी भाग्य आजमाया था लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल सकी थी पर 2019 में एक साथ सांसद बन दोनों संसद की सीढ़ी चढ़ीं थीं।

पहले बात करते हैं डॉ. रीता बहुगुणा जोशी की जो इस सीट से सांसद बनने के लिए बतौर कांग्रेस प्रत्याशी 1999 के चुनाव में भी मैदान में थीं लेकिन तब भाजपा के डॉ.मुरली मनोहर जोशी और सपा के रेवती रमण सिंह के बीच हुए मुकाबले में उन्हें तीसरा स्थान मिला था। इस हार की कसर उन्होंने 2019 के चुनाव में

भाजपा प्रत्याशी के तौर पर सपा के राजेंद्र सिंह पटेल को 184275 मतों से पराजित कर निकाली थी। वहीं, फूलपुर से सांसद चुनीं गई केशरी देवी पटेल ने 2004 के चुनाव में बतौर बसपा प्रत्याशी भाग्य आजमाया था उस चुनाव में उनका सपा प्रत्याशी अतीक अहमद से सीधा मुकाबला हुआ था, जिसमें वह 64347 मतों से चुनाव हार गई थीं। 2014 के लोकसभा चुनाव में वह बतौर बसपा प्रत्याशी इलाहाबाद संसदीय सीट से भी चुनाव लड़ी थीं लेकिन तीसरा स्थान मिला था। 2019 के लोकसभा चुनाव में कौशाम्बी सीट से भारतीय जनता पार्टी के विनोद सोनकर को लगातार दूसरी जीत मिली थी। इस चुनाव में उन्होंने समाजवादी पार्टी से मैदान में उतरे पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज को पराजित किया था।

वसुंधरा राजे और राजपूत वोट बैंक नाराज? बीजेपी के मिशन 25 को तगड़ी चुनौती

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बीजेपी भले ही सभी 25 सीट जीतनें का दावा कर रही है, लेकिन राह इतनी आसान भी नहीं है। वजह यह है कि बीजेपी का कोर वोट बैंक माना जाने वाला राजपूत समाज इस बार नाराज है। राजपूतों की नाराजगी बीजेपी को भारी पड़ सकती है। राजपूत समाज सुखदेव सिंह गोगामेड़ी प्रकरण से पहले ही नाराज चल रहा था, लेकिन अब गुजरात के बीजेपी नेता पुरुषोतम रुपाला के विवादास्पद बयान ने आग में घी का काम कर दिया है। गुजरात के बाद इसका असर राजस्थान में दिखाई दे रहा है। दूसरी तरफ वसुंधरा राजे ने खुद को सिर्फ झालावाड़ तक ही सीमित कर लिया है। ऐसे में सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी के लिए इस बार राह आसान नहीं है। हालांकि, शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि बीजेपी हैट्रिक लगा लेगी। लेकिन बाद में स्थितियां पलटती जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बीजेपी में हमेशा सीएम पद राजपूतों को ही मिलता रहा है। लेकिन इस बार बीजेपी ने राजपूत को सीएम नहीं बनाया है। कहीं न कहीं राजपूत वोटर इससे नाराज है। यहीं वजह है कि केंद्रीय मंत्री शेखावत को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने राजपूत समाज को विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पर्याप्त टिकट दिए थे। कांग्रेस ने गठबंधन करके कर दिया खेला सियासी जानकार

एक वजह यह भी मानकर चल रहे हैं कि कांग्रेस ने इस बार तीन सीट इंडिया गठबंधन के लिए छोड़कर बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार राजपूत समाज हर सीट पर हार-जीत में अहम भूमिका निभाता रहा है। पश्चिमी राजस्थान में इस बार राजपूत समाज के युवा बीजेपी के खिलाफ है। हाल ही में पोकरण में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को राजपूत युवाओ के विरोध का सामना करना पड़ा था। राजकोट लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी पुरुषोत्तम रुपाला का टिकट काटने की मांग को लेकर राजस्थान का राजपूत समाज मुखर है।श्री करणी सेना ने क्षत्रिय समाज को लामबंद करना शुरू कर दिया है।अजमेर में श्री करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना ने भाजपा से मांग की है कि वे रुपाला का टिकट काटें नहीं तो राजस्थान का राजपूत समाज भी भाजपा के खिलाफ जाएगा। राजपूत समाज इसलिए नाराज है मकराना ने साफ कहा कि पुरुषोत्तम रुपाला का टिकट बीजेपी नहीं काटती है तो समाज बीजेपी के खिलाफ मतदान करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राजकोट से भाजपा प्रत्याशी पुरूषोत्तम रुपाला ने क्षत्रिय महिलाओं के लिए अभद्र टिप्पणी की है। उनका कहना था कि इस टिप्पणी से गुजरात में समाज में गहरी नाराजगी है। गुजरात में क्षत्रिय समाज विरोध स्वरूप सड़कों पर है। उसके बावजूद भाजपा ने पुरुषोत्तम रुपाला का टिकट नहीं काटा। उन्होंने बताया कि क्षत्रिय समाज के सभी संगठनों ने मिलकर तय किया है कि इस विरोध को पूरे देश तक लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि चित्तौड़ के बाद अब अजमेर से भी हम इस मांग को उठा रहे हैं। समाज अब रुकने वाला नहीं है। उन्होंने प्रशासन पर भी आरोप लगाया कि क्षत्रिय समाज के नेताओं की पगड़ी उछाली जा रही है।

सुखदेव गोगामेड़ी के बाद रूपाला प्रकरण : मकराना ने चेताया कि यदि भाजपा ने रुपाला का टिकट नहीं काटा तो राजपूत समाज उसका साथ नहीं देगा. समाज अबकी बार चार सौ पार की बजाय अबकी बार लोकसभा से बाहर का नारा लगाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मोंटे कार्लो मास्टर्स में विश्व नंबर सात से कड़े संघर्ष में हारे सुमित नागल, दो घंटे तक चला मैच

मोंटे कार्लो (फ्रांस)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में विश्व नंबर सात डेनमार्क के होल्गर रूने से तीन सेटों के संघर्ष में हार गए। उन्हें दो घंटे 11 मिनट में 3-6, 6-3, 2-6 से हार मिली। बुधवार को दोनों के बीच मुकाबला रुक गया था। उस वक्त रूने 6-3, 3-5 से आगे थे।

गुरुवार को सुमित ने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए दूसरा सेट अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में दोनों 2-2 से बराबर थे, लेकिन यहां से रूने ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए बाकी चार गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचने के साथ सुमित का एटीपी रैंकिंग में करियर की श्रेष्ठ 80वीं रैंकिंग पर पहुंचना तय हो गया है। वह अभी 93वीं रैंकिंग पर हैं। यही नहीं सुमित को फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में भी प्रवेश मिल गया है। इससे पहले 2019 में प्रजनेश गुणेश्वरन फ्रेंच ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाले अंतिम भारतीय थे।

एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप

सिंधु-प्रणय हारे, टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त, ओलंपिक की तैयारियों को झटका

निंगबो (चीन)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और एचएस प्रणय के यहां अपने प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर होने से एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। पेरिस ओलंपिक से पहले फॉर्म में लौटने की कोशिश में जुटी सिंधू ने एक घंटे और नौ मिनट तक कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन अंत में छठी वरीयता प्राप्त चीन की हान युए से 18-21, 21-13 17-21, से हार गईं।

सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय को चीनी ताइपे के गैर वरीय लिन चुन यि से महज 43 मिनट में 18-21, 11-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारतीयों के एक अन्य नतीजे में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की युगल जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की नामी मातसुयामा और चिहारू शिडा की तीसरी वरीय जोड़ी से 17-21, 12-21 से पराजित हो गईं।

निर्णायक गेम में युए 17-10 से आगे हो गईं। सिंधू ने हालांकि कुछ अंक जुटाकर अंतर 20-17 किया। सिंधू ने दो गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन अंत में उनकी प्रतिद्वंद्वी ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप

उदित को रजत, फाइनल में जापान के पहलवान से हारे, अभिमन्यु और विक्की को कांस्य

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारत के उदीयमान पहलवान उदित को पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा के फाइनल में जापान के केंटो यूमिया के हाथों 4-5 से पराजय के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अभिमन्यु ने 70 किग्रा के फ्रीस्टाइल में उज्बेकिस्तान के बेजिजोन कुल्दाशेव को 6-5 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, विक्की ने 97 किग्रा में किर्गिस्तान के आंद्रेइ रोमानोविच अरोनोव को 10-1 से मात दी।

ट्रायल में बजरंग पूनिया को हराने वाले रोहित कुमार 65 किग्रा में जापान के मासानोसुके ओनो से 3-5 से हार गए। परविंदर सिंह एकमात्र भारतीय पहलवान थे जो पदक दौर में नहीं पहुंच सके। वह 79 किग्रा स्पर्धा में क्वालीफिकेशन में जापान के रियुनोसुके कामिया से 0-3 से हारकर बाहर हो गए।

यह सीनियर स्तर पर उदित का दूसरा पदक है। उन्होंने 2022 में ट्यूनीशिया में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज में रजत पदक जीता था। उदित के लिए पहले दौर का यह मुश्किल मुकाबला रहा जिसमें उन्होंने ईरान के प्रतिद्वंद्वी इब्राहिम माहदी खरी को 10-8 से शिकस्त दी।

यह ऐसा दिन था जब सभी चीजें मेरे पक्ष में रहीं: बुमराह

मुंबई, एजेंसी। एक ऐसे मैच में, जिसमें सभी 12 गेंदबाजों का इकॉनमी रेट 7.00 से अधिक था और उनमें से 10 का इकॉनोमी रेट 10 से भी अधिक था, वहीं मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मात्र 5.25 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए। गुरुवार रात को वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल 2024 के 25वें मैच में बुमराह के 5-21 के शानदार आंकड़े के साथ, मुंबई इंडियंस ने आरसीबी को 27 गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में बुमराह की सफलता अधिक प्रशंसनीय थी।

आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ (5-10) के बाद गुरुवार का (5-21) बुमराह का टूर्नामेंट में दूसरा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रयास था, जिसने इस सीज़न उनके नाम पांच मैचों में कुल 10 विकेट हो चुके हैं, जिससे 30 वर्षीय को पर्पल कैप मिली। अपनी दमदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए बुमराह ने कहा कि उनकी सफलता का कारण यह है कि वह गेंदबाजी करते समय सिर्फ एक ट्रिक या किसी एक चीज पर फोकस नहीं करते हैं। यह दावा करते हुए कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में गेंदबाजी करना बहुत कठिन है, तेज गेंदबाज ने कहा कि वह पिछले मैच में अपने प्रदर्शन को देखने के बाद नियमित रूप से अपनी विविधताओं की योजना बनाते हैं, अपनी गेंदों को बेहतर बनाने पर काम करते हैं।

बुमराह ने कहा, मैं कभी नहीं कहूंगा कि मैं पांच विकेट लेना चाहता था। विकेट मुश्किल थी और मैं योगदान से बहुत खुश हूं। इस प्रारूप में, यह गेंदबाजों के लिए बहुत कठिन है। मैं किसी एक चीज या ट्रिक पर फोकस नहीं करता। मैं अलग-अलग कौशल चाहता हूं। बुमराह के शानदार स्पैल का अंत छक्के के साथ हुआ। 3.5 ओवर में केवल 15 रन देकर पांच विकेट ले चुके बुमराह को दिनेश कार्तिक ने छक्का लगाया और उनके आंकड़े चार ओवर में 21 रन देकर पांच विकेट हो गए। कोई भी गेंदबाज़ टी20 क्रिकेट में और एक ऐसी पारी में जहां 196 रन बने हों इस आंकड़े को खुशी-खुशी स्वीकार करेगा, लेकिन बुमराह इससे भी निराश थे। बुमराह ने कहा, अच्छा दिन था।

ये उन दिनों में से एक था जब मैं जो कुछ भी आजमा रहा था वो सब काम कर रहा था। अपनी अंतिम गेंद से थोड़ा निराश हूं, लेकिन टी20 क्रिकेट तो ऐसे ही चलता है। बुमराह ने अपने प्लान के बारे में कहा, पहला ओवर होने के बाद मैंने देखा कि नबी भाई की गेंद ग्रिप कर रही थी तो मुझे लगा कि शुरुआत में यह सपाट पिच नहीं होने वाली है। ओस पड़ने के बाद मुझे लगा था कि लेंथ गेंद अच्छी साबित होगी। उसको दिमाग़ में रखते हुए मैं अपनी ताकत पर अड़े रहना चाहता था। मैं अच्छी हार्ड लेंथ फेंकना चाहता था और आज वह काम आया। पारी के तीसरे और अपने पहले ओवर में ही बुमराह ने विराट कोहली को इशान किशन के हाथों कैच कराया था। इसके बाद बुमराह को सीधे 11वें ओवर में लाया गया क्योंकि फ़ाफ़ डुप्लेसी और रजत पाटीदार दोनों अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे।

उस ओवर में बुमराह ने केवल चार रन दिए और फिर उन्हें सीधे 17वें ओवर में बुलाया गया। इस ओवर में डुप्लेसी को कैच आउट कराने के साथ अगली गेंद पर महिपाल लोमरोर को यॉर्कर पर पगबाधा आउट करते हुए बुमराह ने फिर केवल चार रन खर्च किए। लंबे समय के लिए आक्रमण से हटाए जाने और वापस आकर विकेट लेने के सवाल पर बुमराह ने कहा, मैं 11 सालों से यही कर रहा हूं तो अब आदत हो चुकी है कि परिस्थिति के हिसाब से तैयार रहूं। आप अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हैं और निगाह रखते हैं कि मैच किधर जा रहा है। ओस पड़ने के बाद विकेट सेट हो गया और गेंद स्किड करने लगी। आप मैच में शामिल होना और दूसरों की मदद करना चाहते हैं।

कप्तान ने हार के लिए सिराज एंड कंपनी को ठहराया कसूरवार, हार्दिक ने बुमराह-सूर्या की तारीफ की

मुंबई, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डुप्लेसिस को लगता है कि उनकी टीम के गेंदबाजी विभाग में ज्यादा आक्रामकता नहीं है और इसलिए बल्लेबाजों को आईपीएल में आगे बढ़ने के लिए इस कमजोरी की भरपाई करनी होगी। आरसीबी को गुरुवार को छह मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा। यह उनकी लगातार चौथी हार रही। डुप्लेसिस ने मैच के बाद कहा, बल्लेबाजी के नजरिए से मुझे लगता है कि हमें 200 रन बनाने होंगे। हमारी गेंदबाजी में उतनी धार नहीं है, तो पूरी जिम्मेदारी बल्लेबाजों पर आ जाती है।

उन्होंने कहा, गेंदबाजी के लिहाज से देखा जाए तो हमारे पास उतनी मजबूती नहीं है। हमें पावरप्ले में दो या तीन विकेट गिराने होंगे। डुप्लेसिस ने मुंबई इंडियंस से सात विकेट की हार के बाद कहा, हमें लगता है कि पहले चार ओवर के बाद हम बैकफुट पर ही रहते हैं. डुप्लेसिस का मानना है कि आरसीबी जीत के स्कोर से कुछ रन दूर था क्योंकि ओस ने दूसरी पारी में बड़ी भूमिका निभाई।

हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं हुई

डुप्लेसिस ने कहा- इस हार को पचाना बेहद मुश्किल है। मैदान गीला था। किसी भी तरह टॉस जीतना अच्छा होगा। मुंबई इंडियंस को श्रेय जाता है कि उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और हमारे गेंदबाजों ने काफी गलतियां कीं। मुंबई से जो भी बल्लेबाजी के लिए आया, उसने काफी अच्छे शॉट्स लगाए। हमने इसके बारे में (ओस) बात की। हमें पता था कि ओस बड़ी भूमिका निभाएगी। हमें 215-220 रन चाहिए थे। 190 रन काफी नहीं थे।

बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध से हटाए जाने और रणजी ट्रॉफी विवाद पर ईशान किशन ने तोड़ी चुप्पी, कही यह बात

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 25वें मैच में मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सात विकेट से हरा दिया। ईशान ने 34 गेंद में 69 रन बनाकर मुंबई को 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए ईशान ने आईपीएल शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले हुए विवादों पर से पर्दा हटाया। दरअसल, ईशान को बीसीसीआई ने केंद्रीय अनुबंध से हटा दिया था।

साथ ही बीसीसीआई की चेतावनी के बावजूद वह रणजी ट्रॉफी नहीं खेले थे। ऐसे में भारतीय टीम में उनका भविष्य सवालों के घेरे में था। ईशान मानसिक थकान के कारण दक्षिण अफ्रीका सीरीज बीच में छोड़कर वापस लौट गए थे। इसके बाद न तो अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज और न ही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए खुद को उपलब्ध बताया था। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने ईशान को भारतीय टीम में वापसी के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने की सलाह दी थी। हालांकि, ईशान ने इसकी अनदेखी की और कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ आईपीएल की तैयारी करने

का फैसला किया। बीसीसीआई ने फिर ईशान के साथ-साथ श्रेयस अय्यर को बीसीसीआई के वार्षिक अनुबंध से बाहर कर दिया था। अब इस पूरे विवाद पर ईशान किशन ने बयान दिया है। उन्होंने कहा, मैं अभ्यास कर रहा था। जब मैंने खेल से थोड़ा खुद के लिए समय निकाला तो लोग काफी बातें कर रहे थे। सोशल मीडिया पर कई बातें आईं, लेकिन आपको यह भी महसूस करना चाहिए कि कई चीजें खिलाड़ियों के हाथ में नहीं होती हैं। ब्रेक के दौरान ईशान की मानसिकता में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण में बदलाव किया है। इसमें खास तौर पर करियर में सबकुछ बिगड़ जाने पर खुद को कैसे संभाला जाए, वह भी सीखा है। ईशान ने कहा, केवल एक चीज जो आप कर सकते हैं, वह है समय का सही उपयोग।

साथ ही यह कि इस खास स्थिति में अगर पिछला वाला ईशान किशन होता तो उसकी मानसिकता क्या होती। मैं पहले दो ओवरों में कभी भी गेंद नहीं छोड़ता था।

एक टीम के रूप में कैसे खेलना है, यह मैंने सीखा

ईशान ने कहा- अब समय के साथ मैंने सीखा है कि 20 ओवर भी बड़ा मैच है। आप अपना समय ले सकते हो और आप आगे बढ़ सकते हो। भले ही हम मैच हार गए हों, लेकिन हम एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहते हैं। मेरे अंदर बदलाव आए हैं जैसे कि अगर मैं प्रदर्शन नहीं कर रहा हूं और अगर मुझे पता है कि कोई और प्रदर्शन नहीं कर रहा है, तो मैं उनसे बात करता हूं।

17 गेंदों में अर्धशतक जड़ने के बाद सूर्या ने कहा...

चीजे ट्रैक पर थी बस थोड़ा समय लगा

मुंबई, एजेंसी। रोहित शर्मा और इशान किशन ने वानखेड़े स्टेडियम में आरसीबी के खिलाफ 101 रनों की शुरुआती साझेदारी के साथ मुंबई इंडियंस के लिए घरेलू दर्शकों के सामने जीत आसान कर दी। ओपनिंग साझेदारी के बाद सूर्यकुमार यादव ने 17 गेंदों में तूफानी अर्धशतक बनाकर एमएआई फैंस का रोमांच डबल कर दिया। इन पारियों के दम पर मेजबान टीम को 197 रन का लक्ष्य केवल 15.3 ओवर में हासिल करने में मदद मिली।

सूर्यकुमार ने अपने आईपीएल इतिहास में एमआई के लिए संयुक्त रूप से दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई है, टखने की चोट और स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के कारण लंबी छुट्टी के बाद फॉर्म में वापसी पर संदेह को खारिज करते हुए, बल्लेबाज ने कहा कि वह हमेशा अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए ट्रैक पर थे, जिसमें थोड़ा समय जरूर लगा। सूर्या ने कहा, मैं पहले से ही उन शॉट्स के बारे में सोचता हूं जो मैं खेलता हूं, क्योंकि मैंने नेट के दौरान उन सभी का अभ्यास किया है। मैं यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता हूं कि मैं खेल की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी करूं। जब भी मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं, मैं हमेशा यह देखने की कोशिश करता हूं कि मैं खेल को कैसे बदल सकता हूं और अपनी क्षमताओं से इसे कैसे नियंत्रित कर सकता हूं। अगर मैं सफल होता हूं, तो बहुत अच्छा, अगर मैं नहीं करता हूं, तो मैं अगले मैच में फिर से कोशिश करूंगा। मुझे लगता है कि ट्रेन हमेशा पटरी पर थी, बस चलने में थोड़ा समय लगा। सूर्यकुमार ने जियोसिनेमा से कहा, यह ठीक है, हम वापस आ रहे हैं और हमने अपनी लय हासिल कर ली है। वानखेड़े में लगातार दो मैच जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिला है और टीम का माहौल भी बेहतर हुआ है। लगातार दो घरेलू जीत के साथ, एमआई रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स की मेजबानी करेगा।

भारतीय कुश्ती में फिर बखेड़ा

विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर लगाए संगीन आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट एक बार फिर सुर्खियों में है. विनेश ने आरोप लगाया है कि कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह उन्हें हर हालत में पेरिस ओलंपिक 2024 में खेलने से रोकना चाहते हैं. विनेश को अपने खिलाफ डोपिंग की साजिश रचे जाने का भी डर है.

विनेश को डर सता रहा है कि मैच के दौरान उन्हें पानी में कुछ मिला कर पिलाया जा सकता है. पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से लेकर 11 अगस्त तक खेला जाना है. 29 वर्षीय विनेश फोगाट ने 2019 और 2022 की वर्ल्ड चैम्पियनशिप के दौरान 53 किलो में कांस्य और एशियाई खेलों (2018) में 50 किलो

डोपिंग की साजिश का सताया डर

में स्वर्ण पदक जीता था. विनेश अगले सप्ताह किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाले एशियाई क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के जरिए 50 किलो भारवर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल करना चाहती हैं.

विनेश ने हाल ही में पटियाला में आयोजित चयन ट्रायल के दौरान 50 के अलावा 53 किलो भारवर्ग में भी भाग लिया था. 53 किलो भारवर्ग के सेमीफाइनल में वह हार गई थीं. मगर 50 किग्रा वेट कैटेगरी में जीत के चलते विनेश को एशियन ओलंपिक क्वालिफायर के लिए एंट्री मिल गई थी. उन्होंने 50 किग्रा वेट कैटेगरी के फाइनल में शिवानी को हराया था.

स्वर्ण विजेता को... विश्व एथलेटिक्स के 41 लाख रुपये देने की घोषणा पर नीरज चोपड़ा की प्रतिक्रिया

पेरिस, एजेंसी। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स के पेरिस ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले सभी एथलीट को 50,000 डॉलर (करीब 41.60 लाख रुपये) का पुरस्कार देने के फैसले की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि वह चाहेंगे कि अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह का प्रोत्साहन मिले।

यह पहली बार होगा कि जब इस साल पेरिस ओलंपिक की 48 एथलेटिक्स स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को विश्व एथलेटिक्स द्वारा भारी राशि दी जाएगी। विश्व एथलेटिक्स ने अपने इस दायरे को बढ़ाने का वादा किया है कि 2028 लास एंजिलिस चरण में सभी तीनों पदक विजेताओं को शामिल किया जाएगा।

टेनिस या फुटबॉल से नहीं की जा सकती तुलना

नीरज ने कहा, पैसे के मामले में एथलेटिक्स में उस तरह की राशि नहीं है जैसे टेनिस या फुटबॉल और अन्य खेलों में है। विश्व एथलेटिक्स का पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एथलीट के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा करने का फैसला अच्छी शुरुआत है। यह अच्छा फैसला है।विश्व एथलेटिक्स बहुत सक्रिय होता जा रहा है। आने वाले समय में मुझे लगता है कि वे डायमंड लीग जैसी प्रतियोगिताओं में भी वित्तीय प्रोत्साहन देंगे, जो अच्छा होगा।

चोपड़ा ने खिलाड़ियों के लिए

वित्तीय सुरक्षा की जरूरत पर बात करते हुए कहा, 'हम जो कमाई करते हैं, वो खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त है। इससे हमें आराम की जिंदगी जीने में मदद मिल रही है, हमारे परिवार को आराम की जिंदगी मिल रही है।'

ट्रैक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि देना लंबे समय से लंबित था क्योंकि ओलंपिक खेलों में जो भारी राजस्व मिलता है, उसमें ट्रैक एवं फील्ड एथलीट का मुख्य योगदान होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से फैसले पर चर्चा नहीं की जिसके अंतर्गत ओलंपिक खेल आयोजित होते हैं।

90 मीटर फेंक सकता हूं भाला

नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक से पहले 90 मीटर दूर भाला फेंकने का लक्ष्य बनाए हैं और उनका कहना है कि जिस तरह से उनकी तैयारी चल रही है, यह किसी भी समय हो सकता है।

चोपड़ा ने अपना 89.94 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 2022 स्टॉकहोम डायमंड लीग के दौरान फेंका था। ट्रेनिंग में वह 90 मीटर दूर भाला फेंक चुके हैं, लेकिन प्रतियोगिता में वह अभी तक इसकी बराबरी नहीं कर पाए हैं।

बिना मुआवजा व विस्थापन राशि के काम चालू नहीं करने दे रहे बांध प्रभावित

काम चालू करने पंहुचे एलएनटी कंपनी के अमला का किया विरोध

पन्ना। लगभग साल भर से रुके रुंझ बांध मध्यम सिंचाई परियोजना के काम को चालू करवाने प्रशासन द्वारा एक बार फिर नाकाम कोशिश की गई। ग्रामीण बिना मुआवजा व विस्थापन राशि के किसी भी हालत में काम चालू नहीं होने दे रहे। मामला इस प्रकार है कि रुन्झ बांध मध्यम सिंचाई परियोजना में लगभग सैकड़ा भर परिवार मुआवजा और विस्थापन राशि से वंचित हैं जिन्हें कई बार आवेदन ज्ञापन के बाद भी मुआवजा के बजाय हर बार टाल दिया जाता रहा। जब बिना मुआवजा और विस्थापन राशि के ही प्रभावित परिवारों को हटाया जाने लगा तो यह परिवार सड़क पर उतरने को मजबूर हो गए। महिलाएं और बच्चे मशीनों के नीचे घुस गए एवं बिना मुआवजा के किसी भी हालत में काम चालू नहीं होने की मानो सौगंध ही ले ली हो। प्रभावितों का आरोप है कि प्रशासन के द्वारा कई बार समन्वय बैठक की गई और सूची तैयार की गई, प्रशासन के हिसाब से राशि देने का आश्वासन दिया गया उस पर भी सभी सहमत हो गए इसके बाद भी बिना मुआवजा व विस्थापन राशि के ही ग्रामीणों को हटाने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि हमारा कहीं और घर मकान जमीन या कोई और व्यवसाय नहीं है जिससे यहां से हटने के बाद हम पूरी तरह से बेघर और बेरोजगार हो जाएंगे ऐसे में अपने परिवार का गुजारा कैसे करेंगे। इसलिए यहां से हटने से पहले हमें अपना मुआवजा और विस्थापन राशि चाहिए ताकि हम दूसरी जगह घर मकान बनाकर नया रोजगार शुरू कर अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें। लेकिन प्रशासन तानाशाही पूर्वक जबरन हटाना चाहता है। ग्रामीणों ने बताया कि 10 अप्रैल को दोपहर लगभग 2 बजे अजयगढ़ एसडीएम कुशाल सिंह गौतम, तहसीलदार सुरेंद्र कुमार अहिरवार, राजस्व टीम के साथ रुंझ बांध और रुका हुआ काम चालू करवाने लगे। ग्रामीणों को भनक लगते ही सैंकड़ों महिलाओं बच्चों युवा बुजुर्गों ने प्लांट को घेर कर काम रुकवा दिया। अधिकारियों ने फोन कर कुछ ही देर में एसडीओपी राजीव सिंह भदोरिया, थाना प्रभारी बखत सिंह सहित भारी पुलिस बल को बुला लिया और काम चालू नहीं करने देने की स्थिति में ग्रामीणों जेल भेजने की धमकी दी, लेकिन ग्रामीणों का कहना था कि चाहे हमें जेल भेज दो या गोली मार दो लेकिन हम इस प्रकार बिना मुआवजा के नहीं हटेंगे ग्रामीणों ने बताया कि अधिकारियों के द्वारा काम चालू नहीं होने देने की स्थिति में मुख्य रूप से बुद्धू लाल आदिवासी, सनत कुमार पाण्डेय, हेतराम पाल, बेटा लाल कोंदर और शिवदत्त गौतम को जेल भेजने की चेतावनी दी गई है। दोपहर लगभग 2 बजे से देर शाम तक ग्रामीणों और प्रशासनिक अमले के बीच नोक झोक चलती रही। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार आश्वासन दिया गया लेकिन आज तक मुआवजा व विस्थापन राशि नहीं दी गई जिससे अब बांध प्रभावितों का विश्वास प्रशासन से उठ चुका है और बिना भुगतान के किसी भी हालत में हटने को तैयार नहीं है अंजाम चाहे जो कुछ हो अब देखना यह होगा कि प्रभावितों को मुआवजा व विस्थापन राशि का भुगतान किया जाता है या फिर बिना भुगतान के ही ग्रामीणों के आशियाने उजाड़ कर बांध का रुका हुआ काम चालू करवाया जाता है।

जिले भर मे बढ़नें लगा जल संकट, गड्ढो का पानी पीने के लिए मजबूर है ग्रामीण

नेताओ के विकास के वादे हुए खोखला साबित

सरकार की घर घर पानी देने की योजनाए फैल

पन्ना

पन्ना जिले मे गर्मी बढते ही सैकडो ग्राम के लोग पीने के पानी के लिए परेशान है। लोग गड्ढा खोदकर पानी निकाल रहे है। अनेक ग्रामो के लोग कई किलोमीटर दूर से पानी लाने के लिए मजबूर हो रहें है। जबकी दूसरी ओर केन्द्र तथा प्रदेश सरकार द्वारा करोडो रूपये की लागत से नल जल योजनाए प्रारंभ करने की बाते कही जा रही है, साथ ही पीएचई विभाग के माध्यम से घर घर टोंटी से पानी उपलब्ध कराने के दावे किये जा रहें है तथा विकास का डिढौरा पीटा जा रहा है। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। आज भी लोग आवश्यक बुनियादी सुविधाओ से वंचित है। पानी, शिक्षा, स्वास्थ, सडक, बिजली, जैसी महत्वपूर्ण सुविधाए भी लोगो को नही मिल पा रही है। उदाहरण के तौर पर पवई जनपद पंचायत अन्तर्गत ग्राम मुडवारी मे लोग गड्ढो को खोदकर पीने के लिए पानी का प्रयास कर रहे है। यह तो एक मात्र उदाहरण है, इस प्रकार की परेशानी से जिले मे सैकडो ग्रामो के लोग जूझ रहे है। जहां एक ओर 66 हजार करोड की योजना केन बेतवा लिंक परियोजना तथा पीएचई एवं जल निगम के माध्यम से हर घर नल योजना भी कोरी घोषणा साबित हो रही है। पीएचई विभाग तथा जल निगम मे अनेक ग्रामो मे पानी की टंकिया बनाई गई लेकिन उक्त टंकियो मे पानी नही है, लोग कई किलो मीटर दूर से पीने के लिए पानी की व्यवस्था करते है। विभागो के अधिकारी सिर्फ योजनाओ के नाम पर कमीशन खाते है, इसके लिए क्षेत्र के जिम्मेवार जन प्रतिनिधी सांसद, विधायक भी दोषी है। क्योकि उनके द्वारा जमीनी हकीकत से अवगत न हो कर अधिकारी कर्मचारीयो द्वारा दिये गये आकडो के आधार पर ही बात की जाती है।

शांति एवं सोहार्द पूर्ण तरीका से जिले भर मे धूम धाम से मनाया गया ईद का त्यौहार

पन्ना। पूरे देश मे ईदुल फितर का त्यौहार धूम धाम के साथ मनाया गया। इसी कडी मे पन्ना जिले मे भी जिले भर मे ईद का त्यौहार शांति एवं सोहार्द पूर्ण माहोल मे मनाया गया। जिला मुख्यालय मे बादशाहशाई ईद गाह मे 08:30 बजे नामाज पढाई गई। तत्पश्चात् नामाज के बाद उपस्थित सभी ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की शुभ कामनाए दी तथा सभी ने अमन चैन की दुआंए मांगी। पन्ना जिले मे जिला मुख्यालय के अलावा अमानगंज, अजगयढ, ककरहटी, पवई, सिमरिया, शाहनगर, रैपुरा, देवेन्द्रनगर, गुनौर, सलेहा सहित अन्य स्थानो पर भी ईद का त्यौहार मुस्लिम धर्मालंबियों द्वारा मनाया गया। पुलिस तथा प्रशासन द्वारा सुरक्षा के इंतजाम किये गये।

उप वनक्षेत्रपालों को जल्द ही मिलेगी वन क्षेत्रपाल की नियुक्ति

मध्य प्रदेश कर्मचारी कांग्रेस की मेहनत लाई रंग

उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा सुनाया गया फैसला

पन्ना। मप्र कर्मचारी कांग्रेस के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष एस. पी.राय के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि उपवन क्षेत्रपालों को वनक्षेत्रपालों के रिक्त पदों पर उच्चतर पद का प्रभार दिलाये जाने हेतु संगठन के प्रांताध्यक्ष मुनेंद्र सिंह परिहार द्वारा मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका क्रमांक 5018 दिनांक 26/02/2024 दायर की गई थी। दिनांक 10/4/2024 को याचिका की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आदित्य अहीवासी के द्वारा सुसंगत तरीके से बहुत ही मजबूती के साथ संगठन का पक्ष रखते हुए कहा कि वनक्षेत्रपालों के कुल 430 पद रिक्त हैं जबकि केवल 86 उप वनक्षेत्रपालों को ही कार्यवाहक पद का लाभ दिया गया है। जिसमे उच्च न्यायालय द्वारा अपर मुख्य सचिव वन विभाग एवं सचिव सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल को निर्देश जारी करते हुए कहा है आदेश की प्रामाणित प्रति प्राप्त होने के 30 दिवस के अंदर नियमानुसार कार्यवाहक पदोन्नति को लेकर बनाये गए मानदण्डों के अनुसार शेष उप वनक्षेत्रपालों की कार्यवाहक पदों की सूची जारी करें। माननीय उच्च न्यायालय के इस फैसले से समूचे मप्र के उप वनक्षेत्रपालों के द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संगठन के प्रांताध्यक्ष मुनेंद्र सिंह परिहार एवं कार्यकारी प्रांताध्यक्ष एस. पी.राय के द्वारा कर्मचारी हित मे किये गए कार्य के लिए संगठन का आभार व्यक्त किया है।

महेवा मे बाबा साहेब डॉक्टर भीम राव अबेंडकर जयंती के उपलक्ष्य मे कार्यक्रम आज

पन्ना। जनपद पंचायत गुनौर अन्तर्गत ग्राम महेवा मे डॉक्टर बाब साहेब की जयंती की पूर्व संध्या पर दिनांक 13 अप्रैल 2024 को कार्यक्रम का आयेजन किया गया है। कार्यक्रम के आयोजक संजय अहिरवार ने बताया कि उक्त कार्यक्रम 13 अप्रेल को 11 बजे से आयोजित किया गया है। जिसमे मध्य प्रदेश शासन के वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार तथा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक कैलाश जाटव कार्यक्रम को संबोंधित करेगें।

गार्ड ने लाईसेन्सी बंदूक से गोलीमार कर की आत्महत्या

पन्ना। गुनौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खलपुरा में अरविंद सिंह पिता गंभीर सिंह उम्र 45 वर्ष के द्वारा खुद की लाईसेन्सी बंदूक से गोली मारकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि अरविन्द सिंह अमानगंज जिला सहकारी बैंक में गार्ड की नौकरी करता था। उसके द्वारा क्यो खुद को गोली मारी यह अभी स्पष्ट नही है, उसके द्वारा अपने खेत मे जा कर लाईसेन्सी बंदूक से गोलीमारी है। जिसकी सूचना परिजनो द्वारा पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। आखिर गार्ड द्वारा गोली मारकर क्यो आत्म हत्या की गई है।

धारकुंडी थाना के पास तेज रफ्तार बस पलटी, कई यात्री घायल

सतना। धारकुंडी थाना के पास तेज रफ्तार बस पलटने की सूचना मिली है। हादस में कई यात्री घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचा रही है।

मतदान दिवस एवं एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में पूर्व प्रमाणित राजनैतिक विज्ञापन ही हो सकेंगे प्रकाशित

पन्ना

लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। एमसीएमसी कमेटी से पूर्व प्रमाणित विज्ञापन ही प्रिंट मीडिया में प्रकाशित हो सकेंगे। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के लिये विशेष व्यवस्था दी गई है। नियमानुसार प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए राजनैतिक दल-आवेदकों को मतदान के दिन और मतदान से पूर्व दिवस पर विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर पूर्व प्रमाणन कराना होगा।

गांव में घुसा बाघ बैल का किया शिकार, टाईगर रिजर्व की टीम ने गांव मे डाला डेरा, हाथियों के साथ की सर्चिंग

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व का एक बाघ आधी रात को डोभा गांव में घुस गया जहां एक खेत में बैल का शिकार करने के बाद नाला में छिप कर बैठ गया है। जिससे गांव में दहशत का माहौल व्याप्त है। सूचना मिलते ही पन्ना टाइगर रिजर्व की टीम द्वारा बाघ को हाथियों के सहारे जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया जा रहा है। मामले के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात लगभग 2 बजे जब किसान खेतों में कटी रखी गेहूं की फसल समेटकर खलिहान में रख रहे थे तभी अचानक बाघ की दहाड़ और बैल की आवाज सुनाई दी लोगों ने देखा कि बाघ ने बैल का शिकार किया है। लोग भय के मारे यहां वहां भागने लगे तब तक बैल को मार कर बाघ पास मे ही नाले मे घुस गया तथा झाडियो मे छिप गया। घटना की सूचना ग्रामीणो द्वारा रेन्जर को दी गई। रेन्जर ने वरिष्ट अधिकारीयो को अवगत कराया। इसके बाद बाघ को खदेडने के लिए वन विभाग की टीम द्वारा प्रयास किया गया। बाघ के संबंध में ड्रोन से भी सर्च किया जा रहा है। फिलहाल बाघ से लोग दहशत मे है।

बिजली चोरी के एक मामले में वारंटी को अर्धनग्न हालत में किया गया कोर्ट में पेश

विशेष कोर्ट ने थाना प्रभारी को शोकॉज नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

सतना। बिजली चोरी के एक मामले में वारंटी को अर्धनग्न हालत में पेश करना नागौद पुलिस को भारी पड़ गया। विद्युत की विशेष कोर्ट ने थाना पुलिस की अमानवीय हरकत पर थाना प्रभारी को शोकॉज नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। नागौद थाना पुलिस ने 23 हजार 59 रुपए की बिजली चोरी के वर्ष 2021 के एक मामले में जारी वारंट की तामीली करते हुए नागौद के अमदरी निवासी पुष्पेन्द्र सिंह पिता अयोध्या प्रसाद सिंह को बुधवार को गिरफ्तार कर अर्धनग्न हालत में अदालत में पेश किया।

अधिवक्ता बीएस पटेल ने बताया कि कोर्ट ने आरोपी की हालत को देखते हुए परिसर में मौजूद उसके परिजनों को बुलाकर आरोपी को कपड़े दिलवाए, तब जाकर आरोपी ने कपड़े पहन लिए। अधिवक्ता पटेल ने अदालत में तर्क रखा कि आरोपी के द्वारा विद्युत चोरी का अपराध नहीं किया गया है, उसे प्रकरण की जानकारी भी नहीं थी। आज ही बिल राशि जमा कर दी गई है। अधिवक्ता पटेल ने बताया कि अदालत ने मूल प्रकरण न होने और जमा राशि का बिजली कंपनी के कर्मचारियों द्वारा सत्यापन प्रस्तुत नहीं होने के चलते आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

आरोपी के अधिवक्ता ने अदालत में थाना पुलिस द्वारा अर्धनग्न हालत में पेश किए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की सूचना भी परिजनों को नहीं दी गई है। पुलिस का यह कृत्य मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन है। अदालत ने थाना पुलिस की पत्रावली का अवलोकन कर पुलिस के मौजूद आरक्षकों से सवाल-जवाब किया। संतोषजनक जवाब नहीं दिए जाने और रिकार्ड में सूचना नहीं होने पर कोर्ट ने थाना प्रभारी नागौद को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

इनका कहना है

गरीब को बिजली चोरी के मामूली अपराध में अर्धनग्न हालत में लाया जाना कतई उचित नहीं है, मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। हमारी आपत्ति पर अदालत ने संज्ञान लिया है।

बीएस पटेल, आरोपी के अधिवक्ता

सीमावर्ती राज्यों में व्यवसाय करने वाले मध्यप्रदेश के कामगारों को भी मिलेगा मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश

पन्ना। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य के सीमावर्ती जिलों में व्यवसाय अथवा व्यापार करने वाले और औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य स्थापनाओं में नियोजित ऐसे कामगार जो उत्तरप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ राज्य के मतदाता हैं, उन्हें मतदान दिवस पर मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाएगा। साथ ही अवकाश मंजूर किए जाने के कारण मजूदरी से कोई कटौती अथवा कमी नहीं की जाएगी और यदि ऐसा व्यक्ति इस आधार पर नियोजित किया जाता है कि उसे सामान्यतया किसी ऐसे दिन के लिए मजदूरी प्राप्त नहीं होगी तो इस बात के होते हुए भी उसके ऐसे दिन के लिए वह मजदूरी संदत की जाएगी जो उस दिन उसे अवकाश मंजूर न किए जाने की दशा में दी गई होगी। उल्लंघन पर नियोजक को 500 रूपए तक के जुर्माना से दण्डित किया जा सकेगा।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा के तहत किसी ऐसे निर्वाचक को आदेश लागू नहीं होगा, जिसकी अनुपस्थिति से उस नियोजन के संबंध में जिसमें वह लगा हुआ है, कोई खतरा या सारवान हानि हो सकती है। श्रम पदाधिकारी द्वारा पन्ना जिले के औद्योगिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों तथा अन्य सभी स्थापनाओं के नियोजकों को उक्त पांचों राज्यों के पंजीकृत मतदाताओं को मतदान दिवस पर सवैतनिक अवकाश प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे कामगारों के मतदान के अधिकार का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

उचेहरा के रमपुरवा में है मां ललितांबा का दरबार, नहीं लौटता कोई खाली हाथ

मैहर। जनपद पंचायत उंचेहरा की ग्राम पंचायत रमपुरवा क्षेत्र में स्थित मां ललितांबा का यह दरबार है,जहां पर श्रद्धालु सुख शांति और समृद्धि की कामना लेकर आते हैं और ऐसा कहा जाता है कि यहां से कोई भी खाली हाथ नहीं लौटता है।तभी तो यहां पर लगातार वर्ष भर कोई न कोई यज्ञ अनुष्ठान चलते रहते हैं और सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। दूसरी ओर इसकी ख्याति मां त्रिपुर सुंदरी राजराजेश्वरी मां ललितांबा के मंदिर के कारण भी है। यहां श्रद्धालु सुख, शांति और समृद्धि की कामना लेकर आते हैं। कहा जाता है कि यहां से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। यह मंदिर मैहर से लगभग 10 किलो मीटर की दूरी पर है।

मंदिर के ऊपरी तल पर मां दुर्गा के नौ रूपों की स्थापित प्रतिमा श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसी तल में भगवान श्री कृष्णा और राधा की भव्य प्रतिमा के साथ पुराने हनुमान जी की भी प्रतिमा स्थापित है। मां जगदंबा यहां महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के रूप में पिंड स्वरूप में विराजी हैं। माता के दैनिक स्वरूप पुष्प श्रृंगार प्रातः और संध्या में, आरती का स्वरूप अलौकिक और अद्भुत होता है। इस मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर विशेष पूजन अर्चन किया जाता है।इसके साथ ही श्रद्धालु गण भी अपनी-अपनी पूजा पाठ अनुष्ठान के माध्यम से वैदिक ब्राह्मण के द्वारा करवाते हुए नजर आते हैं। मंदिर के संस्थापक स्वामी जयराम दास जी महाराज ने बताया कि त्रिपुर सुंदरी राजराजेश्वरी धन, ऐश्वर्य, भोग और मोक्ष की अधिष्ठात्री देवी हैं। इससे पहले की महाविद्याओं में कोई भोग तो कोई मोक्ष में विशेष प्रभावी हैं लेकिन यह देवी समान रूप से दोनों ही प्रदान करती हैं। त्रिपुरासुन्दरी दस महाविद्याओं (दस देवियों) में से एक हैं। इन्हें महात्रिपुरसुन्दरी षोडशी, ललिता, लीलावती, लीलामती, ललिताम्बिका, लीलेशी, लीलेश्वरी, ललितागौरी, पद्माक्षी रेणुका तथा राजराजेश्वरी भी कहते हैं। वे दस महाविद्याओं में सबसे प्रमुख देवी हैं। यह देवी त्रिगुणना का तांत्रिक स्वरूप है।

अधिग्रहित वाहनों के चालक, परिचालक एवं क्लीनर भी कर सकेंगे मतदान

पन्ना। लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत खजुराहो संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए आगामी 26 अप्रैल को मतदान होगा। निर्वाचन कार्य में विभिन्न श्रेणी के वाहनों का अधिग्रहण किया जाएगा। इस दौरान भारत निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के तहत ऐसे वाहनों के वाहन चालक, परिचालक और क्लीनर को भी मतदान की सुविधा मिलेगी। निर्वाचन ड्यूटी पर तैनात ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर प्रारूप 12-क में निर्वाचन कर्त्तव्य प्रमाण पत्र (ईडीसी) जारी करने के लिए आवेदन भर कर जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। वांछित जानकारी के साथ प्रस्तुत किए गए आवेदनों का परीक्षण कर निर्वाचन कर्त्तव्य प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। निर्वाचन ड्यूटी पर जाने वाले वाहन चालक, परिचालक और क्लीनर 24 अप्रैल तक जारी निर्वाचन कर्त्तव्य प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार द्वारा पन्ना जिले के बस, ट्रक, जीप, टैक्सी ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष को आवश्यक कार्यवाही के लिए सूचित किया गया है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शनिवार 13 अप्रैल 2024 | 8

लोकसभा निर्वाचन 2024 में समावेशी, सुगम, विश्वसनीय एवं नैतिक मतदान कराने के उद्देश्य से मतदाताओं को जागरुक करने हेतु शहर में दिव्यांगजनों की मोटराईज्ड ट्राइसिकिल रैली निकाली गई।

मोदी के नेतृत्व में भारत ने तोड़ी गुलामी की बेड़ियां, राजपथ अब बना कर्तव्य पथ : शुक्ल

रीवा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने सेवा, सुशासन तथा गरीब कल्याण के अपने संकल्प को पूरा कर देश ही नहीं दुनिया के सामने जो उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, वह अकल्पनीय व अनुकरणीय है। उक्त बातें प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मउगंज जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन सभा को सम्बोधित करते हुए शुक्रवार को कही। श्री शुक्ल का मउगंज पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मिश्रा की अगुवाई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत किया।

भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन में बोलते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लोकतंत्र समाप्त करने का पाप किया था। परिवारवाद, वंशवाद और भ्रष्टाचार को आगे बढ़ाने का काम पूर्व सत्ताधारियों ने किया था। आज

वहीं कुंठित मानसिकता के लोग देश को कमजोर करने का सपना संजोये खड़े हैं। बढ़ते भारत को देखकर विदेशी शक्तियां भी चाहती है कि मोदी सरकार सत्ता में न आएं, और हमारी देश विरोधी शक्तियां उनकी टूलकिट बनकर लोकतंत्र को बदनाम करने का षडयंत्र कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने जीवन का हर क्षण गरीब, कल्याण के लिए समर्पित कर केन्द्र सरकार के माध्यम से उसे जमीन पर उतारने का काम किया है। उन्होंने सुशासन और गरीब कल्याण के समर्पित होकर देश को उंचाई दिलाई है। जिस तरह विगत 10 वर्षो में देश ने हर क्षेत्र में विकास की छलांग लगाई है। मोदी जी के नेतृत्व का पूरी दुनिया में लोहा माना जा रहा है। उनकी कार्य क्षमता और सोच ने आज देश को पांचवीं आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित कर दिया है। आने वाले 3 सालों में हम विश्व की तीसरी महाशक्ति बनने जा रहे हैं। यह चुनाव देश और रीवा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बुद्धजीवियों का दायित्व है कि वह राष्ट्र के इस गौरवगाथा का गान जन-जन में करें, और राष्ट्र के उत्थान, विकास के लिए भाजपा को समर्थन हेतु जन-जन को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विकास और भाजपा एक-दूसरे के पर्याय है। आप सबको पता है कि रीवा से मउगंज आने में एक दिन लग जाते थे। लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही राजमार्गो को विश्वस्तरीय सड़के बनाकर दी और रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने केन्द्र सरकार के माध्यम से विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं। सांसद जी राजनीति के समाज सेवक हैं। कोरोना काल से लेकर विगत 10 वर्षो में उन्होंने बहुत काम किये हैं। रीवा से मुम्बई के लिए सांसद जी ने पहले ही एक ट्रेन की सौगात दिलाई थी, दूसरी ट्रेनर की एक बड़ी सौगात विंध्यवासियों के सांसद जी ने गत दिनों दिलाई है। अब रीवा से मुम्बई महानगर के लिए दो ट्रेने चलेगी। सांसद जी रात-दिन काम करते हैं और काम करते हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता मउगंज जिलाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मिश्रा करते हुए कहा कि मउगंज जिला बनाने का काम भाजपा ने किया, और हम सबको अपने गौरव की अनुभूति कराई। पहले मउगंज को सबसे ज्यादा पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था। परन्तु माननीय राजेन्द्र शुक्ला एवं सांसद जी के प्रयासों से आज मउगंज जिला मुख्यालय तो बना ही साथ ही अब यह औद्योगिक हब बनने वाला है। जिससे अब हमारे क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति रोजगार के लिए बाहर नहीं जाएगा, और दूसरों को भी यही काम देगा। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ मउगंज के अध्यक्ष हरिहर शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष संतोश मिश्रा, वरिष्ठ समाज सेवी रामानिवास पाण्डेय, अखिलेश दुबे, कृष्णेन्द्र तिवारी, रामायण चतुर्वेदी, सुशील सोनी, विक्रम सिंह, अजय मिश्रा, राजाराम गुप्ता, संतोष अवधिया, मनोज सोनी, उमेश सोनी सहित स्थानीय प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की विशाल चुनावी जनसभा डभौरा में आज

रीवा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रीवा संसदीय क्षेत्र के सिरमौर विधानसभा अंतर्गत डभौरा नगर पंचायत में भाजपा प्रत्याशी सांसद जनार्दन मिश्रा के पक्ष में विशाल चुनावी आमसभा को 13 अप्रैल को दोपहर 1 बजे सिंह पैलेस के सामने आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करेंगे। मुख्यमंत्री भोपाल से 10.40 बजे प्रस्थान करेंगे। जो जबलपुर एयरपोर्ट में 11.30 बजे पहुंचेंगे। जहां से हेलीकॉप्टर द्वारा पुष्पराज नगर विधानसभा के ग्राम करपा में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करेंगे। वहां से 1.15 प्रस्थान कर 2.15 बजे रीवा जिले के डभौरान पहुंचेंगे। जहां जनसभा को सम्बोधित करने के पश्चात 3 बजे बरौंधा चित्रकूट के लिए उड़ान भरेंगे। जनसभा में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, लोकसभा प्रत्याशी जनार्दन मिश्रा, विधायक गिरीश गौतम, नागेन्द्र सिंह, स्थानीय विधायक दिव्यराज सिंह, प्रदीप पटेल, सिद्धार्थ तिवारी, इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, मउगंज जिलाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मिश्रा, लोकसभा प्रभारी रामलाल रौतेल, लोकसभा संयोजक प्रबोध व्यास के अलावा पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

रीवा संसदीय क्षेत्र में 26 अप्रैल को 2014 मतदान केन्द्रों में होगा मतदान

रीवा संसदीय क्षेत्र में 1852126 मतदाता करेंगे मताधिकार का उपयोग

रीवा। रीवा संसदीय क्षेत्र में निर्वाचन के लिए 26 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। मतदान प्रातः 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। मतदान ईव्हीएम, व्हीव्हीपैट से कराया जाएगा। इसमें मतदान के बाद मतदाता 7 सेकण्ड की अवधि तक अपनी पुष्टिकरण पर्ची देख सकेंगे। मतदान के लिए जिले भर में 2014 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें कुल 18 लाख 52 हजार 126 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। इनमें 9 लाख 66 हजार 936 पुरूष, 8 लाख 85 हजार 176 महिला मतदाता तथा 14 थर्ड जेण्डर मतदाता शामिल हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र सिरमौर में 2 लाख 22 हजार 416, सेमरिया में 2 लाख 26 हजार 856, त्योंथर में 2 लाख 18 हजार 154, मऊगंज में 2 लाख 30 हजार 16 तथा विधानसभा क्षेत्र देवतालाब में 2 लाख 46 हजार 859 मतदाता हैं। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र मनगवां में 2 लाख 49 हजार 963, रीवा में 2 लाख 23 हजार 462 एवं विधानसभा क्षेत्र गुढ़ में 2 लाख 34 हजार 400 मतदाता हैं। जिले में विधानसभा क्षेत्र सिरमौर में 243, सेमरिया में 241, त्योंथर में 231, मऊगंज में 251, देवतालाब में 267, मनगवां में 281, रीवा में 244 तथा गुढ़ में 256 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इन सभी मतदान केन्द्रों में पेयजल, छाया, दिव्यांगों के लिए रैम्प, शौचालय सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदान केन्द्र में बीएलओ तैनात किए गए हैं।

ईव्हीएम की कमीशनिंग 16 अप्रैल से

रीवा। रीवा संसदीय क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान कराने के लिए ईव्हीएम व्हीव्हीपैट मशीनें तैयार की जा रही हैं। इस संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने बताया कि द्वितीय रेण्डमाइजेशन के बाद ईव्हीएम मशीनों का विधानसभावार तथा मतदान केन्द्रवार निर्धारण कर दिया गया है। इन मशीनों की बैलेट यूनिट में मतपत्र लगाकर कमीशनिंग का कार्य 16 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से आरंभ होगा तथा 21 अप्रैल तक चलेगा। कमीशनिंग का कार्य 17 एवं 18 अप्रैल को नहीं होगा। यह कार्य शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में विधानसभावार बनाए गए कक्षों में किया जाएगा। कमीशनिंग के बाद मशीनें मतदान केन्द्र के क्रमानुसार स्ट्रांग रूम में सुरक्षित भण्डारित की जाएंगी। सभी सहायक रिटर्निंग आफीसरों की निगरानी में कमीशनिंग का कार्य होगा। इस कार्य के लिए तैनात सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने प्रवेश पत्र अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं। बिना प्रवेश पत्र के किसी को भी कक्ष में प्रवेश नहीं मिलेगा। कमीशनिंग किए जाने वाले हाल में मोबाइल फोन का ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। कक्ष में जाने से पूर्व अपने मोबाइल फोन कक्ष के बाहर ही सुरक्षित रखवाएं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने उम्मीदवारों तथा उनके प्रतिनिधियों से भी कमीशनिंग के समय उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

मनगवां विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ की बैठक आज

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। विधानसभा 2023 के निर्वाचन में 30 सबसे कम मतदान वाले मतदान केन्द्रों के बीएलओ की बैठक विधानसभावार आयोजित की जा रही है। स्वीप नोडल डॉ. सौरभ सोनवणे ने बताया कि मनगवां विधानसभा क्षेत्र के बीएलओ की बैठक 13 अप्रैल को आयोजित की गयी है। बैठक में स्वीप नोडल एवं सहायक स्वीप नोडल उपस्थित रहेंगे। बैठक के दौरान मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अभी तक किये गये मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं आगामी दिनों में किये जाने वाले मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की समीक्षा की जायेगी।

सेमरिया अंचल में बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं दिलाने के लिए काम किया : जनार्दन

रीवा। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी जनार्दन मिश्रा ने सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बरा में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने कांग्रेस के शासन को और उनके चरित्र को अच्छे से देखा है। अगर भाजपा प्रदेश और केन्द्र में न होती तो हम बुनिवादी विकास के लिए तरस जाते। भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही सेमरिया अंचल के विकास और पानी की विकराल समस्या को हल करने का काम किया। बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं गांव-गांव में पहुंचाई, केन्द्र की भाजपा सरकार ने गांव-गांव सड़क और घर-घर नल से जल पहुंचाने का कार्य कर रही है। हम गांव और शहर की दूरी

को मिटाने में सफल हुए हैं। आज गांवों में शहरी सुविधाओं का विस्तार हो चुका है। मोदी जी ने जहां गरीब, कल्याण विकास में काम किया और भ्रष्टाचार और आतंकवाद को समाप्त किया। मोदी जी देश को विकसित राष्ट्र बनाने के साथ हमें पुनः विश्व गुरू बनाना चाहते हैं। हमें एक बार पुनः उन्हें अपनी ताकत देनी होगी, और 26 अप्रैल को कमल की बटन इतनी ताकत से दबाए कि राजनीति को पेशा समझने वालों के होश उड़ जाएं। रीवा सांसद ने दर्जनभर से अधिक गांवों में सघन चुनावी जनसंपर्क कर आम जनों से मुलाकात कर लोकसभा चुनाव में सहयोग की अपील की। वहीं उन्होंने कहा कि मैं तो सेवादार हूं। मेरे दरवाजे कोरोनाकाल में भी कभी बंद नहीं हुए। परन्तु कुछ राजनैतिक व्यवसाई जो चुनाव के समय ही राजनीति को धारण करते हैं, फिर खूंटी में टंगा देते हैं, ऐसे लोगों के दरवाजे भी चुनाव के साथ जनता के लिए बंद हो जाते हैं और सुनने में आता है कि 7 दरवाजों का तिलस्मी महल में प्रवेश करना आप सबके वश की बात नहीं होती। ऐसे में अब आपको तय करना है कि दरवाजा खोलकर रखने वाला सेवक चाहिए या फिर 7 दरवाजों के अंदर रहने वाले तिलस्मी लोग। भाजपा प्रत्याशी के जनसंपर्क के दौरान भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

मतदान सामग्री वितरण संबंधी प्रशिक्षण आज

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में रीवा संसदीय क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। मतदान दलों को ईव्हीएम मशीनें तथा मतदान सामग्री का वितरण शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा से किया जाएगा। सामग्री वितरण के लिए विधानसभावार दल तैनात किए गए हैं। इस संबंध में प्रभारी अधिकारी सामग्री वितरण तथा आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन ने बताया कि मतदान सामग्री वितरण संबंधी प्रशिक्षण 13 अप्रैल को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित किया जा रहा है। सभी सहायक रिटर्निंग आफीसर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं सामग्री वितरण के लिए तैनात अधिकारी बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

ईव्हीएम का द्वितीय रेण्डमाइजेशन संपन्न

प्रेक्षक और उम्मीदवारों की उपस्थिति में हुआ ईव्हीएम का रेण्डमाइजेशन

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 में रीवा संसदीय क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। रीवा और मऊगंज जिले के 2014 मतदान केन्द्रों में ईव्हीएम व्हीव्हीपैट मशीन से मतदान कराया जाएगा। मतदान के लिए ईव्हीएम का द्वितीय रेण्डमाइजेशन कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में संपन्न हुआ। प्रथम रेण्डमाइजेशन के बाद विधानसभावार ईव्हीएम मशीनें निर्धारित की गई थीं। द्वितीय रेण्डमाइजेशन में मतदान केन्द्रवार ईव्हीएम तथा व्हीव्हीपैट का निर्धारण किया गया। सामान्य प्रेक्षक श्री संजीव कुमार तथा उम्मीदवारों एवं

उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में रेण्डमाइजेशन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि आज मतदान केन्द्रवार ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट का निर्धारण किया गया है। इसकी प्रमाणिक सूची उम्मीदवारों को प्रदान की जा रही है। मतदान के समय ईव्हीएम का मिलान किया जा सकता है। कमीशनिंग के दौरान यदि किसी ईव्हीएम में खराबी आई तो उसमें परिवर्तन रिजर्व मशीनों से किया जाएगा। इसकी सूचना भी उम्मीदवारों को तत्काल दी जाएगी। रिजर्व ईव्हीएम का भी रेण्डमाइजेशन कर दिया गया है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने उम्मीदवारों को रेण्डमाइजेशन प्रक्रिया की जानकारी दी। ईव्हीएम प्रभारी आदित्य प्रताप सिंह कार्यपालन यंत्री तथा जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनीष पटेल द्वारा ईव्हीएम का रेण्डमाइजेशन किया गया।

ईडीसी के संबंध में प्रशिक्षण आज

रीवा। लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान दल तथा अन्य निर्वाचन कार्य में तैनात अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदान की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित फार्म 12 क तथा 12 ख का वितरण इन्हें किया गया है। इन सभी को चुनाव कर्त्तव्य प्रमाण पत्र ईडीसी जारी किया जाएगा। इस कार्य के लिए तैनात अधिकारियों तथा कर्मचारियों को 13 अप्रैल को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में दोपहर 12 बजे से आरंभ होगा।

कलेक्टर ने आठ आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आठ अपराधियों को हुए जिला बदर के आदेश

रीवा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने आठ आदतन अपराधियों को जिला बदर के आदेश दिए हैं। विधानसभा चुनाव के समय कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजनता की सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह कार्यवाही की गई है। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 ख के तहत जिला बदर के आदेश दिए हैं। इन आठ आदतन अपराधियों द्वारा लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने, मारपीट, गुण्डागर्दी, गाली गलौज, अवैध शस्त्रों के उपयोग, लोगों को डराने-धमकाने तथा अन्य आपराधिक कृत्यों के कारण यह कार्यवाही की गई है।

बार-बार समझाइश के बावजूद इन अपराधियों के आचरण में किसी तरह का सुधार नहीं हो रहा है। इनके कृत्यों से जनमानस में आतंक एवं भय व्याप्त है। इनका स्वच्छंद रहना आमजनता के लिए हितकर नहीं है जिसके कारण कलेक्टर द्वारा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के प्रतिवेदन के आधार पर जिला बदर की कार्यवाही की गई है। इन सभी आदतन अपराधियों को एक वर्ष की अवधि के लिए रीवा जिले की राजस्व सीमाओं सहित मऊगंज, सिंगरौली, सीधी तथा सतना जिले की सीमाओं से बाहर रहने के आदेश दिए गए हैं। सक्षम अधिकारी के आदेश के बाद ही ये रीवा जिले की सीमाओं में प्रवेश कर सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन के तत्वाधान में आयोजित हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

रीवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए रीवा संसदीय क्षेत्र में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन के तत्वाधान में औद्योगिक क्षेत्र रीवा उद्योग विहार में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उद्यमियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया तथा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर इक्जक्यूटिव डायरेक्टर यूके तिवारी ने लोगों से अधिक से अधिक मतदान की अपील की। उन्होंने उद्यमियों से अपेक्षा की कि मतदान दिवस पर उनके प्रतिष्ठान में कार्य करने वाले श्रमिकों को सवैतनिक अवकाश की सुविधा प्रदान करें ताकि सभी लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। कार्यक्रम में अध्यक्ष राजीव खन्ना ने आश्वस्त किया कि सभी उद्यमी स्वयं अपने परिजनों के साथ मतदान में भाग लेंगे तथा अपने प्रतिष्ठान में कार्य करने वाले श्रमिकों को मतदान करने के लिए सवैतनिक अवकाश देंगे। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री केके गर्ग, उद्यमी अनिल बुधवानी, शिवेन्दु शुक्ला, शैलेन्द्र पाण्डेय, अरूण सिंह, मनोहर मोटवानी, एके शुक्ला, सैय्यद नौशादअली सहित बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में रीवा जिले की हालत गंभीर : नीलम

जो 10 साल से कर रहे थे नेतृत्व उन्हें जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए

रीवा। लोकसभा क्षेत्र रीवा की कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती नीलम अभय मिश्रा भाजपा को आधे हाथों लेते हुए कहां है कि छल प्रपंच की राजनीति ज्यादा दिन सफल नहीं होती है और यही स्थिति रीवा लोकसभा क्षेत्र में भी है जहां लोग अब यह समझ चुके हैं कि उन्हें 10 साल तक छला गया। आज लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर कर्चुलियान, रघुनाथगंज, मनगांवा, गंगेव, गढ़, नईगढ़ी आदि क्षेत्रों में जन संवाद करते हुए श्रीमती मिश्रा ने कहा है कि पिछले 10 साल से जिनको आपने यहां का सांसद बना कर रखा था, उन्होंने यहां के लिए आखिर किया क्या है। यदि इस इलाके को सांसद कोटे से 10 रुपए

भी दिलवाये हो तो वह बताएं। कांग्रेस प्रत्याशी नीलम मिश्रा ने इस दौरान जनता से कहा कि इस बार का चुनाव अपने आप में महत्व पूर्ण है। भारतीय जनता पार्टी लोगों को बहकावे में लेकर उनके वोटो का इस्तेमाल कर आज मनमानी करने में जुटी हुई है। देश के शीर्ष में जो स्थिति बनी है वही स्थिति रीवा में है और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है। जिस क्षेत्र में नजर डालिए वहीं पर भ्रष्टाचार की बू आ रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य जगत का यहां पर मजाक उड़ाया जा रहा है। शिक्षा के नाम पर आने वाले बजट का जिस तरह से दुरुपयोग हो रहा है वह किसी से छिपा नहीं है। सांसद के पिछले 10 साल के कार्यकाल में स्वास्थ्य के क्षेत्र में केवल पीड़ा ही मिली है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य चिकित्सा सुविधा पूरी तरह से शून्य हो चुकी है, लोगों को जिले के भरोसे रहना पड़ रहा है स्थानीय स्तर पर केवल स्वास्थ्य केदो के बोर्ड गड़े हैं। उन्होंने पूछा कि क्या सांसद की यही भूमिका होनी चाहिए, क्या उन्हें किसी स्तर पर कोई प्रयास नहीं करने चाहिए, लेकिन उन्होंने 10 साल में इस संबंध में न तो जिला प्रशासन से बात की और न ही अपनी सरकार के प्रदेश के मुखिया से। अगर प्रयास करते तो कुछ न कुछ होता अवश्य। लेकिन उनके पास वक्त ही नहीं था वह तो केवल पीछे-पीछे भागने में लगे रहे। कांग्रेस प्रत्याशी नीलम मिश्रा ने कहा है कि वह जिस क्षेत्र में भी पहुंचती है और लोगों से पूछती है कि क्या अपने 10 साल में सांसद को देखा, जनता सिर हिलाती है और कहती है कभी नहीं देखा।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833